सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 295 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 7 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

पुराने आरक्षण नियमों के अनुसार शैक्षणिक संस्थाओं में मिलेगा प्रवेश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को यहां उनके निवास कार्यालय में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं में पूर्व प्रचलित आरक्षण व्यवस्था के अन्तर्गत प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में अफसरों को निर्देश दे दिया गया है। बता दें सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकार की ओर से दायर एसएलपी में पारित अंतरिम आदेश एक मई 2023 के अंतर्गत राज्य में पूर्व प्रचलित आरक्षण व्यवस्था अनुसार नियुक्ति व चयन प्रक्रियाओं को जारी रखने हेतु अंतरिम राहत प्रदान की गई है। इस अंतरिम आदेश के अनुरूप ही, अंतरिम तौर पर, मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं में भी प्रवेश प्रक्रिया पूर्व प्रचलित आरक्षण व्यवस्था अंतर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

एम्स में लगी भीषण आग दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सोमवार को आग लग गई। एम्स में दूसरी मंजिल पर दोपहर करीब 12 बजे अचानक आग की लपटें और धुएं का गुबार दिखने से हड़कंप मंच गया। आग लगने के बाद इमर्जेंसी वार्ड में भर्ती सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग सेकेंड फ्लोर पर एंडोस्कोपी रूम में लगी, जहां पुरानी ओपीडी हुआ करती थी। यह आपातकालीन वार्ड के पास है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 11 बजकर 54 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। इसके तुरंत बाद दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सेकेंड फ्लोर और इमर्जेंसी वार्ड से लोगों को आनन-फानन में बाहर निकाला गया।

चुनाव से पहले विधायक-मंत्रियों को फिर याद आए समर्थक

5 साल बाद फिर तेरी कहानी याद आई

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। विधानसभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एक बार फिर कार्यकर्ताओं की याद हो आई है। 2018 में चुनाव के वक्त इन कार्यकर्ताओं को सिर-आंखों पर बिठाया गया था, लेकिन चुनाव जीतने के बाद सत्ता-सुख भोगने में ये जनप्रतिनिधि इतने व्यस्त हो गए कि कार्यकर्ताओं को ही बिसरा बैठे। अब जबकि फिर से चुनावी कवायद शुरू हो चुकी है, एक बार फिर उन कार्यकर्ताओं की पूछपरख बढ़ने लगी है और जनप्रतिनिधि इन कार्यकर्ताओं के साथ मिठलबरा बन झंगलु-मंगलु सा व्यवहार कर रहे हैं, मानों वे बचपन के साथी हों। खासकर कांग्रेस के कार्यकर्ता इन वाकयों को चटखारे लेकर सुना रहे हैं।

2018 का चुनाव काफी कश्मकश से भरा था। लगातार तीन बार से भाजपा सत्ता में थी तो कांग्रेस के प्रादेशिक नेता मिल-जुलकर रणनीति बना रहे हैं। इस दौरान प्रत्याशी चयन में बेहद सावधानी बरतते हुए चुन-चुनकर प्रत्याशी उतारे गए। कई प्रत्याशी तो ऐसे थे, जिन्हें अंत में ही पता चल पाया कि उन्हें चुनाव लड़ना है। ऐसे में स्थानीय कार्यकर्ताओं को साधना और उनसे चुनाव में सक्रियता से काम लेना बड़ी चुनौती थी। कांग्रेस पार्टी क्योंकि एकजुट होकर चुनाव लड़ रही थी, इसलिए कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की ताकि सत्ता में आने या प्रत्याशी के जीतने का कुछ लाभ उन्हें भी मिल पाए। लेकिन चुनाव जीतने के बाद इन नेताओं ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिन कार्यकर्ताओं ने चुनाव जितवाने में ऐड़ी-चोटी एक की थी, वे विधायक या मंत्री के बंगलों के बाहर भीड़ बनकर रह गए। जिस जनप्रतिनिधि को जितवाया, उनके पास इन कार्यकर्ताओं के लिए वक्त नहीं था। ऐसे में वे कार्यकर्ता जो स्वयं को मंत्रीजी या विधायक का करीबी बताने में लगे थे, अचानक कन्नी काटकर दूर होते चले गए। सत्ता-सुख भोगने में व्यस्त नेताजी के पास इतनी फुरसत नहीं थी कि वे इन कार्यकर्ताओं के साथ सामंजस्य बिठा पाते या उन्हें अपने साथ रख पाते।

कहते हैं कि वक्त सबका आता है। 2018 का अध्याय अब खत्म होने को है और जो नेताजी सत्ता-सुख भोगने में व्यस्त थे, अब उन्हें फिर से उन कार्यकर्ताओं की याद सताने लगी है। लेकिन इसके पीछे कई तरह की वजहें हैं। पहली वजह तो यही है कि सर्वे की रिपोर्टें नेताजी के खिलाफ जा रही है। ऐसे में जाहिर तौर पर जमीनी कार्यकर्ताओं के समर्पण की दरकार है। दूसरा यदि सर्वे की रिपोर्ट खराब नहीं है तब भी कार्यकर्ताओं की जरूरत तो है ही। इसके अलावा जय-जयकार कर माहौल बनाने के लिए भी इन्हीं कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होगी। ...तो कुल मिलाकर अब नेताजी को उन कार्यकर्ताओं की याद सता रही है, जिसे पूरे 5 साल तक उपेक्षित रखा गया था।

फोन कर पूछ रहे हालचाल

बंगले में हाजिरी लगाने वाले कार्यकर्ताओं से सीधे मुंह बात नहीं करने वाले नेताजी अब उन्हीं कार्यकर्ताओं को फोन लगाकर हालचाल पूछ रहे हैं। उनकी पारिवारिक स्थिति से लेकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई तक की खबर ले रहे हैं। कार्यकर्ताओं को यह अहसास कराया जा रहा है कि विधायकजी या मंत्रीजी उनके फिक्रमंद हैं। वो तो कामकाज में व्यस्तता के चलते वक्त नहीं दे पा रहे थे, अन्यथा तो वे कार्यकर्ताओं को सदैव याद करते हैं। बातचीत के दौरान नेताजी यह इशारा करने से भी नहीं चूकते कि कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में भिड़ना है, तभी रिजल्ट अपने पक्ष में आ पाएगा।

हमसे न हो पाएगा नेताजी..

एक कार्यकर्ता के पास जब नेताजी का फोन आया तो उन्होंने साफ कह दिया,- हमसे न हो पाएगा नेताजी....। दरअसल, जिले के एक मंत्री को सत्ताधीशों ने निजी व सरकारी सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्र बदलने को कहा था। मंत्रीजी पहले ही क्षेत्र बदलकर यहां आए थे। अब एक बार फिर क्षेत्र बदलकर चुनाव लड़ने का असर सीधे छवि पर पड़ने का अंदेशा है। ऐसे में सुख-भोगू मंत्रीजी कार्यकर्ताओं और अपने समाज के लोगों से फोन कर राय-मशविरा कर रहे हैं। सर्वे की रिपोर्ट कह रही है कि क्षेत्र में उनकी हालत नाजुक है। अब तो कार्यकर्ताओं ने भी दूरी बना ली है।

शब्दों में आ गई मिठास

टिकट के दावेदार कई विधायक व मंत्रियों के व्यवहार में अचानक परिवर्तन दिखने लगा है। इन नेताओं के शब्दों में बढ़ी हुई शुगर की मात्रा सहजता से महसूस की जा सकती है। कार्यकर्ताओं को चाशनी डूबे शब्द घोलकर पिलाए जा रहे हैं। जिन नेताओं के चेहरे पर कार्यकर्ताओं को देखते ही शिकन आ जाती थे, अब उन कार्यकर्ताओं के कंधे पर हाथ रखकर या मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ मेलजोल किया जा रहा है। बंगले पर मिलने को भी बुलाया जा रहा है और कुछ-काहीं जरूरत भी पूछी जा रही है। ऐसे व्यवहार से अलग कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर मजे लेने में व्यस्त है।

मणिपुर पहुंचीं केंद्रीय बलों की 10 और कंपनियां, अमित शाह से मिल सकता है आदिवासी संगठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। ऐसे में केंद्रीय बलों की 10 और कंपनियां राज्य में पहुंच गई हैं। वहीं, दूसरी तरफ नई दिल्ली में आज एक प्रमुख आदिवासी संगठन के सदस्य केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिल सकते हैं।

यह है मामला

गौरतलब है, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

शनिवार को घरों के अंदर मारे गए लोग

बता दें, शनिवार को मणिपुर के क्राक्टा इलाके में मैतेई समुदाय के तीन लोगों की उनके घरों के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ घंटों बाद, चुराचांदपुर जिले में आदिवासी कुकी समुदाय के दो लोगों की हत्या कर दी गई। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या दोनों घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

सुरक्षा बलों की कंपनियां पहुंची

इसी के बाद फिर से हिंसा भड़क गई। बिगड़ते हालातों को देखते हुए राज्य में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की कंपनियां बुलाई गईं। अधिकारी ने पांच अगस्त को एक आदेश जारी कर बताया कि हिंसा वाली रात के बाद पांच केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, तीन सीमा सुरक्षा बल और एक-एक सशस्त्र सीमा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम हिंसाग्रस्त राज्य में पहुंचीं।

ट्रेनों की लेटलतीफी व रद्द होने पर सीएम बघेल नाराज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्रेनों की लेटलतीफी व लगातार रद्द हो रहे ट्रेनों को लेकर नाराजगी जताई है। इसे लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इसके कारण छत्तीसगढ़ के लोगों को होने वाली परेशानियों का जिक्र किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं को देखते हुए ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निर्देश देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताया कि अनियमित परिचालन से राज्य के लाखों नागरिकों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। रेलवे द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के कभी भी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को निरस्त करने की सूचना जारी कर दी जाती है । निरस्त ट्रेनें कब तक निरस्त रहेगी, इसकी भी जानकारी यात्रियों को नहीं दी जाती। यात्री ट्रेनों की निरस्ती के अलावा ट्रेनों के अत्यधिक विलम्ब से चलने से भी रेल यात्रियों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेरे द्वारा पूर्व में रेल मंत्री जी का भी अनेक अवसरों पर यात्री ट्रेनों के सुचारू परिचालन हेतु ध्यान आकर्षित कराया गया, किन्तु उससे स्थिति में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण छत्तीसगढ़ में ट्रेनों का घनत्व राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है तथा दूरस्थ अंचलों में रहने वाले लोगों के लिये यात्री ट्रेनें ही आवागमन का एकमात्र सुलभ साधन है। देश के अन्य किसी भी राज्य में यात्री ट्रेनों के संचालन संबंधी इतनी अव्यवस्थायें संभवतः नहीं होगी। स्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये आपसे अनुरोध है कि आपके स्तर से रेलवे मंत्रालय को राज्य की यात्री ट्रेनों के पूर्ववत सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के निर्देश देने का कष्ट करें ताकि राज्य वासियों को हो रही समस्याओं का अंत हो तथा उनके आक्रोश को शांत किया जा सके ।

ट्रेनों के इस तरह असामान्य संचालन से छात्रों, तीर्थयात्रियों, मरीजों, रोजगार के लिये राज्य में आने वाले व्यक्तियों, व्यवसायियों, श्रमिकों तथा परीक्षार्थियों के अनेक पूर्व निर्धारित कार्यों का सम्पादन संभव नहीं हो पा रहा है। राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी धीरे-धीरे इसका प्रभाव दिखने लगा है। लम्बी अवधि से ट्रेनों के निरस्त होने तथा विलम्ब से चलने के कारण राज्यवासियों में आक्रोश व्याप्त है तथा जिससे सरकार और रेल्वे की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं।

फुल टाइम काम के बदले टीचर को पार्ट टाइम का पेमेंट, अनुदेशक बोले- 10 हजार में नहीं होता गुजारा

बीजापुर। बीजापुर जिले में संचालित राजीव गांधी शिक्षा मिशन के तहत संचालित 28 पोटाकेबिन में कार्यरत 450 अनुदेशकों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बीते दिनों रैली निकालकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा।

जिले के भैरमगढ़, उसूर, भोपालपटनम व बीजापुर ब्लॉक में राजीव गांधी शिक्षा मिशन द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित 28 पोटाकेबिनो में आवासीय शिक्षा ले रहे 15000 बच्चों को 24 घण्टे रहकर शिक्षा दे रहे 450 अनुदेशकों को फुल टाइम जॉब के बदले पार्ट टाइम टीचर का भुगतान किया जा रहा हैं। जिससे अनुदेशक संघ में असंतोष व्याप्त हैं। अनुदेशक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद गांधरला ने का कहना है कि हजारों बच्चों को शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़कर अनुदेशक पढ़ाई करवा रहे हैं। इसमें प्राथमिक व उच्च प्राथमिक क्लास शामिल हैं। अनुदेशक द्वारा शैक्षणिक कार्य के साथ ही प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग कक्षाएं, खेलकूद, योगा, कम्प्यूटर, शिक्षा, स्वास्थ्य व देखरेख आदि के काम 24 घण्टे संस्था में रहकर की जाती हैं।

इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में जाकर बच्चों का सर्वे कर संस्था में दाखिला दिलाया जाता हैं। अध्यक्ष गांधरला ने बताया कि इस सारे कामों के बदले अनुदेशकों को प्रतिमाह महज 10 हजार रुपये का मानदेय दिया जाता हैं। बढ़ती महंगाई से इतने कम मानदेय में आवश्यकताओं की पूर्ती संभव नहीं हैं। अनुदेशक संघ के अध्यक्ष का कहना है कि 14 साल से 24 घण्टे काम लिया जा रहा है। उसके समतुल्य मानदेय दिया जाए। जबकि राज्य परियोजना कार्यालय के द्वारा पार्ट टाइम टीचर के नाम से ही मानदेय दिया जा रहा हैं। वर्ष 2009 -10 से चतुर्थ श्रेणी में रखकर निरंतर शैक्षणिक कर रहे हैं। कार्य अनुभव व डीएलएड प्रशिक्षित के आधार पर प्राथमिकता देते हुए तृतीय श्रेणी में रखा जाए।

गलती किसी की, सजा किसी को

श्रीकंचनपथ

रेलवे का उन्नयन हो रहा है। नागपुर से दुर्ग आने में ट्रेन को 6 से 8 घंटे लग रहे हैं। दुर्ग से बेंगलुरू जाने वाली ट्रेन 24 घंटे लेट पहुंच रही है। कभी पटरियां उखड़ रही हैं तो कभी ट्रेन डी-रेल हो रही है। कभी सिग्नल फेल हो रहा है, ट्रेनें आपस में भिड़ रही हैं। पर देश एक अजीब से फीलगुड के दौर से गुजर रहा है। वह खुश है कि देश में अल्ट्रामाडर्न ट्रेनें चल रही हैं। इधर, लोको पायलट अमानवीय परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और उधर एयरकंडीशन्ड लोको केबिनों की तस्वीरें छप रही हैं। रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को लेकर भी यही फीलगुड काम कर रहा है। मुख्य प्लेटफॉर्म पर एस्केलेटर लगे हैं, शेष यात्री प्लेटफॉर्म पर रैम्प और लिफ्ट लगे हैं। यह और बात है कि दोनों सुविधाएं मर्जी की मालिक हैं। यात्री सुविधाओं का मतलब केवल बैठने की जगह, साफ सुथरे प्लेटफॉर्म और वाशेबल एप्रन नहीं होता। आज भी अधिकांश प्लेटफॉर्मों पर न तो बुक स्टाल हैं और न ही कैन्टीन। यह सब एक नम्बर प्लेटफॉर्म पर ही होता है। पहले सभी प्लेटफॉर्मों पर कुछ-न-कुछ सुविधाएं तो होती ही थीं। खाने-पीने की वस्तुओं को लेकर नए नियम क्या बने, अधिकांश स्टेशनों पर खाने योग्य नाश्ता मिलना ही मुश्किल हो गया। एक बड़ा दर्द रेलवे स्टेशनों की पार्किंग का भी है। लोग ट्रेनों से यात्रा बाद में करते हैं, पहले वो रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं। जो लोग अपने वाहनों से स्टेशन पहुंचते हैं, उन्हें पार्किंग भी करनी होती है। इधर ट्रेनें लेट हो रही हैं और उधर पार्किंग वाले एक्स्ट्रा पैसे वसूलना शुरू कर देते हैं। ट्रेनों के विलंब से चलने का खामियाजा भी यात्री भुगत रहा है। ऐसा नहीं है कि लोग चार-पांच घंटा पहले आकर स्टेशनों पर डेरा डाल रहे हैं। 'व्हेयर इज माइ ट्रेन' ऐप पर ट्रेन का लोकेशन देखने के बाद स्टेशन पहुंचने पर भी लोगों को घंटों ट्रेन के आने का इंतजार करना पड़ रहा है। दुर्ग स्टेशन की बात करें तो ट्रेनों को 10-12 किलोमीटर दूर स्थित रसमड़ा स्टेशन से दुर्ग पहुंचने में भी डेढ़ दो घंटे लग रहे हैं। रविवार को दुर्ग और पावर हाउस रेलवे स्टेशन को लेकर कुछ घोषणाएं हुई हैं। अगले 50 साल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई गई है। यह दूरदर्शिता है जिसका स्वागत होना चाहिए। आज शहरी क्षेत्रों के रेलवे स्टेशन शहर के बीचों बीच फंस गए हैं। स्टेशनों के दोनों तरफआबादी क्षेत्र है। इसलिए दोनों तरफमुख्य गेट, पार्किंग की सुविधा और टिकट काउंटर होने चाहिए। पावर स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध है पर दुर्ग स्टेशन का उत्तरी छोर आज भी मालधक्का ही बना हुआ है। इसे रसमड़ा शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद इधर भी एक मुख्य द्वार होगा जिसके साथ विशाल पार्किंग भी होगी। इससे एक विशाल आबादी को ट्रेन पकड़ने के लिए दुर्ग शहर की तरफसे घूमकर नहीं आना होगा।

संपादकीय

मौसमी प्रकोप

पिछले पंद्रह दिन से देश में आई फ्लू के मामले में जैसी उछाल देखी जा रही है, वैसे पहले नहीं देखी गई थी। लगभग आधा दर्जन राज्यों को इस बीमारी के मद्देनजर दिशा-निर्देश जारी करने पड़े हैं। क्या आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस या नेत्रश्लेष्मलाशोध एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है? आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में इस बीमारी के इलाज का चार अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार है। दुनिया के सभी महादेशों में बड़ी संख्या में लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसका जब संक्रमण होता है, तब आंखें लाल हो जाती हैं। खुजली व चुभन होती है और सूजन भी। आंखों से पानी भी बहता रहता है। यह बीमारी या संक्रमण होने का एक कारण नहीं है। वायरल व बैक्टीरियल संक्रमण, एलर्जी और जलन पैदा करने वाले पदार्थों के संपर्क में आने से भी यह बीमारी हो सकती है। यह संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलती है। भीड़भाड़ वाले इलाकों, दफ्तरों में रहने वाले लोगों और स्कूलों में बच्चों की आंखें लाल होने की आशंका सबसे अधिक होती है। भारत में एक ओर, मौसम अस्थिर है, तो दूसरी ओर, तमाम तरह की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं, ऐसे में, आई फ्लू का भय बन गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी लोगों को सावधान किया गया है। ध्यान देने की बात है कि देश के अनेक हिस्सों में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के चलते स्वच्छता में भी कमी आई है। उच्च आर्द्रता भी ऐसे रोगों के प्रसार के लिए एक अनुकूल कारक है। क्या कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटी है और उसकी वजह से भी संक्रामक रोगों की आशंका बढ़ गई है? वास्तव में सभी को स्वच्छता बरतने के लिए तत्पर रहना चाहिए। हाथों को साफरखना भी जरूरी है और अपने चेहरे या आंखों का स्पर्श करने से भी बचना चाहिए। कोरोना के संक्रमण के समय भी यह बार-बार कहा गया था कि अब कुछ वर्षों तक हमें संक्रामक रोगों से कुछ ज्यादा सावधान रहना होगा। वैसे भी वैज्ञानिकों का मानना है कि कंजंक्टिवाइटिस भारत में आम है और ज्यादातर बरसात के मौसम में देखा जाता है। धूप का चश्मा पहनने से संक्रमण को नहीं रोका जा सकता, पर यह किसी व्यक्ति को अपनी आंखों को छूने से रोक सकता है, जो बीमारी के फैलने का एक प्रमुख कारण है। चिकित्सक यह मान रहे हैं कि बारिश का दौर जब तक चलेगा, इस संक्रमण का खतरा बना रहेगा। डेंगू का खतरा भी इन दिनों बढ़ा हुआ है। अकेले त्रिपुरा जैसे राज्य में जहां 180 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, वहीं दिल्ली में साल 2018 के बाद सबसे ज्यादा मामले देखे जा रहे हैं। डेंगू एक जानलेवा बीमारी है, अत: इसको लेकर ज्यादा चिंता है। यह बीमारी भी जगह-जगह जलभराव और मच्छरों के पनपने से होती है। जाहिर है, यह भी बारिश से जुड़ा संकट है। डेंगू के मरीजों को तीव्र सिरदर्द का अनुभव हो सकता है, जो आंखों में दर्द और असुविधा की स्थिति पैदा कर सकता है। दर्द आमतौर पर आंखों के पीछे केंद्रित होता है और यह डेंगू संक्रमण का एक सामान्य संकेत है, जिससे लोगों को सावधान रहना चाहिए। मांसपेशियों और जोड़ों में अत्यधिक दर्द के चलते डेंगू को अक्सर हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है। मतली, उल्टी और पेट में बेचैनी का भी डेंगू से संबंध है। आज के समय में ऐसी मौसमी बीमारियों को भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि एक समस्या दूसरी को बढ़ा सकती है।

> कोरोना के संक्रमण के समय भी यह बार-बार कहा गया था कि अब कुछ वर्षों तक हमें संक्रामक रोगों से कुछ ज्यादा सावधान रहना होगा। वैसे भी वैज्ञानिकों का मानना है कि कंजंक्टिवाइटिस भारत में आम है और ज्यादातर बरसात के मौसम में देखा जाता है। धूप का चश्मा पहनने से संक्रमण को नहीं रोका जा सकता, पर यह किसी व्यक्ति को अपनी आंखों को छूने से रोक सकता है, जो बीमारी के फैलने का एक प्रमुख कारण है।

अमेरिका की साख में सेंध

जो बात कभी सोचना भी कठिन लगता था, वह अब सचमुच हो रहा है। रेटिंग एजेंसी फिच ने दुनिया की इस सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की क्रेडिट रेटिंग ट्रिपल ए से घटाकर डबल ए प्लस कर दी है। इसकी वजह बताते हुए एजेंसी ने कहा है कि पिछले दो दशक में सरकार के प्रशासन में लगातार गिरावट देखी जा रही है। देश की वित्तीय हालत और उस पर बढ़ते कर्ज के बोझ से बनी स्थिति भी चिंताजनक होती जा रही है। गौरतलब है कि निवेशक किसी भी सरकार को कर्ज देने के लिए या उस देश में निवेश से संबंधित जोखिम का मूल्यांकन क्रेडिट एजेंसियों की रेटिंग के आधार पर करते हैं। अब तक अपनी अर्थव्यवस्था के विशाल आकार और स्थिरता के कारण अमेरिका में निवेश को आम तौर पर बेहद सुरक्षित माना जाता था। लेकिन पिछले कुछ साल से अमेरिका में राजनीतिक अस्थिरता का दौर रहा है। 2020 के चुनावों के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने जो बाइडेन की जीत को स्वीकार करने से ही इनकार कर दिया था।

इस बीच पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को मुकदमों में फंसाने की जारी कोशिशों से उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ रही है। इसे एक प्रकार की संभावित अस्थिरता का कारण समझा जा रहा है। दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच बढ़ते टकराव का नतीजा है कि इस साल जून में अमेरिका डिफॉल्टर होने के कगार तक पहुंच गया था। तब सरकार को कर्ज सीमा बढ़वाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। कर्ज सीमा में बढ़ोतरी के बाद अमेरिका सरकार का कर्ज तेजी से बढ़ा है। ऐसी स्थितियों को अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं माना जाता। फिच ने कहा है कि रेटिंग घटाना अगले तीन सालों में संभावित मौद्रिक गिरावट, बहुत तेजी से बढ़ते कर्ज और सरकारी तंत्र में उथल-पुथल का संकेत है। पिछले करीब दो दशकों में देश के सरकारी तंत्र में अस्थिरता देखी गई है। फिच के मुताबिक जून में दोनों दलों के बीच कर्ज सीमा को 2025 तक बढ़ाने की सहमति बावजूद हकीकत यही है कि अमेरिका में मौद्रिक और कर्ज संबंधी स्थितियां बिगड़ती जा रही हैं।

इंडिया की बैठक का एजेंडा!

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की तीसरी बैठक मुंबई में होगी। एक बार तारीख बदलने के बाद अब 31 अगस्त और एक सितंबर को बैठक करने का फैसला हुआ है। पहली बार किसी ऐसे राज्य में गठबंधन की बैठक हो रही है, जहां भाजपा का शासन है। पहली बैठक बिहार में हुई थी, जहां राजद, जदयू और कांग्रेस की साझा सरकार है। दूसरी बैठक कर्नाटक में हुई, जहां कांग्रेस की सरकार है। तीसरी बैठक महाराष्ट्र में होगी, जहां शिव सेना, भाजपा और एनसीपी के अजित पवार गुट की सरकार है। विपक्ष की बैठक के लिए जगहों का चुनाव रणनीति के हिसाब से किया जा रहा है। लेकिन उससे ज्यादा अहम सवाल यह है कि क्या मुंबई की बैठक में उन संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी, जिन्हें दो बैठकों से टाला जा रहा है? विपक्षी पार्टियों ने अभी तक सीट बंटवारे को लेकर चर्चा नहीं है। महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी का शरद पवार गुट चाहता था कि राज्य की 48 लोकसभा सीटों को लेकर तीनों पार्टियों में चर्चा हो। लेकिन कांग्रेस ने इसे टाल दिया था। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा था कि अभी चुनाव में देरी है इसलिए सीट बंटवारे की बात अभी नहीं होनी चाहिए। सोचें, जब कांग्रेस एक प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत के लिए तैयार नहीं हुई तो वह पूरे प्रदेश में अभी सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए क्या तैयार होगी? असली पेंच यही है कि कांग्रेस के अलावा ज्यादातर पार्टियां चाहती हैं कि सीट बंटवारे पर चर्चा हो जाए। इसमें सबसे ज्यादा बेचैनी आम आदमी पार्टी, शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के अजित पवार गुट को है।

> टीवी उत्पादन के मामले में भी हाल कुछ ऐसा ही है। इस कारोबार पर नजर रखनेवाली रिसर्च एजेंसी काउंटर प्वाइंट के अनुसार, अब देश में बिकनेवाले लगभग 100 प्रतिशत टीवी भारत में ही बन रहे हैं। इन दोनों के मामले में एक खास चीज और है, जो अब लैपटॉप और टैबलेट जैसी चीजों के कारोबार में भी दिख सकती है। जहां सरकार पूरी तरह तैयार लैपटॉप और टैबलेट के आयात को रोकने या मुश्किल बनाने की मुद्रा में है।

ताकि उत्पादन में आगे आए अपना देश

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

क्या लाइसेंस परमिट राज वापस आ गया? पिछले हफ्ते अचानक यह सवाल खड़ा हो गया। वजह थी विदेश व्यापार महानिदेशालय, डीजीएफटी की अधिसूचना, जिसके तहत लैपटॉप, टैबलेट और ऑल इन वन कम्प्यूटर जैसी चीजों का आयात तुरंत प्रभाव से बंद कर दिया गया। एपल, डेल, एचपी और सैमसंग जैसी कंपनियों के लिए यह करारा झटका है, क्योंकि ये ज्यादातर लैपटॉप, आइ पैड और टैबलेट वगैरह आयात करके ही भारत में बेचती रही हैं।

इतना तो एकदम साफ है कि सरकार विदेश से कम्प्यूटर आयात पर लगाम कसना चाहती है। हालांकि, सरकारी आदेश के साथ यह साफ किया गया है कि सरकार आयात पर रोक या प्रतिबंध नहीं लगा रही है। बस अब आयात के लिए लाइसेंस लेना जरूरी हो गया है। लाइसेंस के लिए अर्जी लगाने का रास्ता भी इस आदेश के साथ ही खुल चुका है। हालांकि, लाइसेंस की प्रक्रिया पर अभी तक कुछ सफाई बाकी है, लेकिन पहली नजर में यह फैसला दो तरह से देखा जा सकता है। सबसे पहले तो इसकी वजह से आयात करनेवाली कंपनियों को परेशानी होगी और इसकी वजह से बाजार में अचानक लैपटॉप, टैबलेट और ऑल इन वन कम्प्यूटरों की किल्लत हो सकती है। दूसरी तरफ, दूरगामी रूप से भारत में इन चीजों का उत्पादन बढ़ सकता है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े दिखाते हैं कि पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत में कुल 878.60 करोड़ डॉलर के कम्प्यूटर आयात हुए, जिनमें से बड़ा हिस्सा यानी 533.6 करोड़ डॉलर तो सिर्फ लैपटॉप और टैबलेट पर ही गया है। उसमें से भी 410.6 करोड़ डॉलर का आयात सिर्फ चीन से हुआ है। मतलब कुल आयात का तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा चीन से आया है। शायद यही सबसे बड़ी वजह है कि भारत सरकार इस आयात पर लगाम कसना चाहती है। इस कारोबार से जुड़े लोगों को भी इस बात का अंदाजा तो था कि ऐसा हो सकता है। सरकार काफी समय से हरेक उद्योग की तरह इस कारोबार में लगे लोगों से अपील कर रही थी कि भारत में ही उत्पादन शुरू करें। इनमें से ज्यादातर कंपनियां भारत के ही कारखानों में डेस्कटॉप कम्प्यूटर बना भी रही हैं। इसलिए उन्हें अब तक इसके लिए तैयार हो जाना चाहिए था। मई में सरकार ने आईटी हार्डवेयर के लिए 17,000 करोड़ रुपये की नई प्रोत्साहन योजना का एलान भी किया है। ऐसा इसीलिए किया गया, ताकि लैपटॉप, टैबलेट और दूसरे कम्प्यूटर हार्डवेयर बनानेवाली कंपनियां भारत में उत्पादन शुरू करें या बढ़ाएं। अभी तक इस योजना को लेकर उद्योग जगत बहुत उत्साहित नहीं दिख रहा है। शायद यही वजह है कि इसकी मियाद बढ़ाकर 30 अगस्त तक कर दी गई है। अब आयात का रास्ता मुश्किल होने से शायद इस स्कीम के सफल होने के आसार बढ़ जाएंगे। यहां याद रखना चाहिए कि 2015 में ऐसी ही एक स्कीम मोबाइल फोन और टीवी सेट के लिए आई थी, जिसके बाद से भारत में इन दोनों के उत्पादन में जोरदार उछाल आया। सिर्फ उत्पादन ही नहीं, निर्यात में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़ रही है। 2015 में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात न के बराबर था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में 1000 करोड़ डॉलर से ज्यादा के मोबाइल फोन निर्यात हुए हैं। जहां 2014 तक देश में मोबाइल फोन बनाने वाले सिर्फ दो प्लांट लग पाए थे, वहीं अब 260 से ज्यादा ऐसे कारखाने हैं, जो मोबाइल फोन या उसके साथ इस्तेमाल होने वाले उपकरण बना रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत में कुल 2,75,000 करोड़ रुपये कीमत के करीब 31 करोड़ मोबाइल फोन बनाए गए।

टीवी उत्पादन के मामले में भी हाल कुछ ऐसा ही है। इस कारोबार पर नजर रखनेवाली रिसर्च एजेंसी काउंटर प्वाइंट के अनुसार, अब देश में बिकनेवाले लगभग 100 प्रतिशत टीवी भारत में ही बन रहे हैं। इन दोनों के मामले में एक खास चीज और है, जो अब लैपटॉप और टैबलेट जैसी चीजों के कारोबार में भी दिख सकती है। जहां सरकार पूरी तरह तैयार लैपटॉप और टैबलेट के आयात को रोकने या मुश्किल बनाने की मुद्रा में है, वहीं इन्हें बनाने के लिए जरूरी कलपुर्जों के आयात पर ऐसी सख्ती नहीं दिखती है। साफ है, अगर कंपनियां तैयार सामान लाने के बजाय विदेश से उनके हिस्से लाएं और यहां जोड़कर बेचें, तो दोनों के लिए ही फायदे का सौदा हो सकता है।

इसके साथ यह तथ्य भी ध्यान में रखना जरूरी है कि भारत में हर तिमाही करीब 20 लाख लैपटॉप बिकते हैं और इनमें से तीन चौथाई यानी 15 लाख के करीब आयात होते हैं। खास बात यह है कि ऊंची कीमत वाले ज्यादातर लैपटॉप आयातित ही होते हैं। अब अगर यह सभी भारत में बनने लगे, तो न सिर्फ कीमत और कारोबार, बल्कि शायद रोजगार के मोर्चे पर भी यह देश की एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है।

फिर भी इस फैसले पर कारोबार जगत की प्रतिक्रिया मिली-जुली है। हालांकि, शेयर बाजार ने तुरंत इस फैसले को सलामी दी और उन सभी कंपनियों के शेयर में तेज उछाल दिखा, जो लैपटॉप या टैबलेट बनाती हैं या फिर बना सकती हैं। इनमें सबसे ज्यादा उत्साह उन कंपनियों को लेकर दिखा, जो अनुबंध या ठेके पर उत्पादन करती हैं। इनके कारोबार में तेजी तय है। इसी भरोसे इस उद्योग से जुड़े लोग दावा कर रहे हैं कि इसके सहारे भारत लगभग आठ अरब डॉलर सालाना कारोबार वाले इस धंधे के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर सकता है।

जिन कंपनियों की भारत में फैक्टरी है, उन्हें फायदा हो सकता है। करीब-करीब सभी लोग मानते हैं कि लंबे दौर में इससे भारत में कम्प्यूटर उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा, लेकिन इस वक्त यह फैसला दोनों को ही मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह यही है कि हर तिमाही बिकनेवाले 20 लाख लैपटॉप या टैबलेट में से 15 लाख आयातित हैं, और अचानक देश में ही बनाकर यह मांग पूरी करना भगीरथ प्रयत्न से भी विकट काम होगा। ऐसे में, हो सकता है, कंपनियां सरकार से और मोहलत मांगेंगी।

सरकार को भी आपूर्ति और मांग पर ध्यान देना होगा। खासकर इसलिए भी कि खरीदारी का मौसम शुरू हो रहा है। त्योहारी सीजन में सभी चीजों की मांग बढ़ती है। ध्यान रखना होगा कि मांग बढ़े, पर दाम न बढ़े।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हमारी स्कूली शिक्षा में सुधार के छह सहज समाधान

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

हमारी स्कूली शिक्षा के सामने तमाम तरह की चुनौतियां हैं, लेकिन तस्वीर उतनी भी खराब नहीं है। देश के हर हिस्से में आपको अच्छे शिक्षक और स्कूल मिल जाएंगे। फिर भी, कुछ ऐसे काम किए जाने चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण हैं। पहला, राज्यों को शैक्षणिक कामों के लिए स्कूली शिक्षा व्यवस्था से जुड़े संस्थानों को मजबूत करना होगा। शैक्षणिक काम का अर्थ है, बेहतर पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रमों में सुधार, पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता, परीक्षा व मूल्यांकन में सुधार, स्कूल का नेतृत्व करने वालों का बेहतर प्रशिक्षण आदि। वहीं, संस्थानों में राज्य स्तर पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), और ब्लॉक व क्लस्टर-स्तरीय संसाधन केंद्र (बीआरसी और सीआरसी) भी शामिल हैं।

बेशक सभी राज्यों में राज्य व जिला स्तर के संस्थान हैं, लेकिन सभी जगह बीआरसी और सीआरसी नहीं हैं। ज्यादातर जिलों के आकार को देखते हुए डीआईईटी जैसे एकल संस्थान के लिए क्षेत्र के तमाम स्कूलों तक पहुंच बनाना आसान नहीं होता। इसी कारण बीआरसी और सीआरसी महत्वपूर्ण बन जाते हैं। हालांकि, कुछ राज्यों में सीआरसी स्तर पर तंत्र बनाया गया है, जैसे, पंचायत के सभी स्कूलों का समूह बनाना, और ये तरीके प्रभावी भी हो सकते हैं। मगर दिक्कत यह है कि बहुत सारे एससीईआरटी और डीआईईटी सुस्त पड़े हुए हैं। शिक्षा की बेहतरी के लिए इनमें नई ऊर्जा भरनी होगी। हालांकि, इनको जगाना आसान नहीं है, पर यह किया जा सकता है, और कुछ राज्यों ने ऐसा किया भी है। इसके लिए इन संस्थानों को शिक्षा निदेशालय के सहायक अंग के रूप में रखने की जगह स्वायत्त बनाना होगा। इस तरह के काम में रुचि रखने वाले लोगों की नियुक्ति और उन्हें पर्याप्त स्टाफ देना भी जरूरी है। सीआरसी व बीआरसी को भी हम इसी तरह मजबूत बना सकते हैं।

दूसरा काम, जमीनी स्तर पर प्रशासनिक ढांचा सरल और स्पष्ट बनाने का होना चाहिए। जिला स्तर पर अक्सर आदेशों की शृंखलाएं काम करती रहती हैं। चूंकि प्रशासनिक ढांचा का जाल काफी उलझा होता है, इसलिए स्वामित्व व जवाबदेही की कमी नजर आती है। तीसरा काम है, शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण व सहायता देना। 'टीचर ट्रेनिंग' को बहुत अहमियत नहीं दी जाती, जबकि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने में यह काफी अहम है। शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों का बेहतर पढ़ाना जरूरी है और इसके लिए स्कूल स्तर पर उनका प्रशिक्षण ही सही रास्ता है। चौथा काम यह होना चाहिए कि सभी कक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकें तैयार की जाए। हमारा तंत्र पाठ्यपुस्तकों पर हद से अधिक निर्भर है, और हमें यह तस्वीर बदलनी है। मगर जब तक यह स्थिति बनी हुई है, तब तक उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकें न सिर्फ शिक्षकों की दक्षता में, बल्कि छात्रों की रुचि व समझ में भी बड़ा अंतर ला सकती हैं।

पांचवां काम, स्कूल नेतृत्व के साथ-साथ ब्लॉक व जिला स्तर के नेतृत्व की पेशागत समझ को बेहतर बनाने का प्रयास होना चाहिए। इनमें से कई लोग परिवर्तन और सुधार लाने में काफी कारगर साबित हो सकते हैं। छठा काम, सभी बोर्ड परीक्षाओं में सुधार किया जाना चाहिए। हमें यह जांचने की प्रक्रिया बंद कर देनी चाहिए कि बच्चे तथ्यों को रटकर कैसे लिख पाते हैं। इसके बजाय, परीक्षाओं में बुनियादी समझ, उसका व्यावहारिक इस्तेमाल, आलोचनात्मक सोच व अन्य मौलिक क्षमताओं का आकलन किया जाना चाहिए। बच्चों पर दबाव कम करने के लिए बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कम करना होगा। इसके लिए एक ही शैक्षणिक वर्ष में कई दौर की परीक्षाएं भी आयोजित की जा सकती हैं।

अच्छी बात यह है कि इन तमाम कामों को करने के लिए हमें बड़े बजट की दरकार नहीं है। जरूरत बस इस बात की है कि राज्य के राजनीतिक व प्रशासनिक नेतृत्वों के बीच प्राथमिकताओं को लेकर समन्वय बने। इसके बाद इनके क्रियान्वयन पर पूरा ध्यान लगाना होगा। देश का हर सूबा यह कर सकता है, और उसको करना भी चाहिए। वह चाहे, तो उनसे सबक ले सकता है, जो पहले ऐसा कर चुके हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पशु-पक्षी भी ला रहे हैं आदतों में बदलाव

क्षमा शर्मा

हाल ही में नैरोबी अफ्रीका के बारे में एक खबर आई। इसमें हाथियों के खान-पान के बारे में शोध किया गया था। बताया गया कि हाथी अपने खाने में विविधता पसंद करते हैं। इस शोध का मुख्य उद्देश्य हाथियों की खान-पान की आदतें जानना था जिससे कि भविष्य में उन्हें ठीक से संरक्षित किया जा सके। इस शोध में केन्या के हाथियों को दो समूह में बांटा गया था। जिससे कि उनकी खान-पान की आदतों का ठीक से पता लगाया जा सके। वैज्ञानिकों को इसमें सफलता भी मिली। वे दोनों समूहों के हाथियों के बारे में पता करने में सफल रहे कि किसे किस तरह के पौधे खाना पसंद है। हाथियों के बारे में मशहूर है कि उन्हें गन्ने और केले बहुत पसंद होते हैं। असम के बारे में अक्सर खबरें आती रहती हैं कि वहां हाथी सैनिक कैम्पस में घुसकर टैंकों में रखी शराब को पी जाते हैं। वे नशे में खूब उत्पात भी मचाते हैं।

वैज्ञानिक तब तक किसी बात को नहीं मानते जब तक कि उन्हें किसी बात के प्रमाण न मिलें, लेकिन जो लोग जानवरों को पालते हैं, उनके नजदीक रहते हैं वे इस बात को जानते ही हैं कि जानवर भी अपने स्वाद के प्रति बेहद सजग होते हैं। वे भी नापसंद आने वाले खाद्य पदार्थ को नहीं खाते।

सालों पहले एक रिश्तेदार के यहां हरियाणा में जाना हुआ था। यही दिन थे। बारिश और आम का मौसम था। गृहस्वामिनी ने एक बड़े भगौने में आम पानी में भिगोकर रख दिए, जिससे कि जब वे ठंडे हो जाएं और उनका ताप निकल जाए तो खाए जा सकें। सब लोग कमरे में थे, उनका कुत्ता भी वहीं था। अचानक देखा गया कि कुत्ता पेट के बल धीरे-धीरे खिसकने लगा, दौड़ता तो सबको पता चल जाता। हो सकता है कि उसे रोकने की कोशिश की जाती। किसी को पता न चले, इसके लिए वह ऐसा कर रहा था। पेट के बल धीरे-धीरे खिसक रहा था। ऐसा करता वह वरांडा पार करके रसोई के पास पहुंचा। वहां दो पांवों पर खड़े होकर उसने स्लैब पर रखे भगौने में भीगे एक आम को मुंह में दबाया और बाहर भाग गया। गृहस्वामिनी ने उसे ऐसा करते देखा तो डांटा-अच्छा चोरी कर रहा है। अब लौट के आना तब बताऊंगी। मगर वह वहां होता तभी तो मालकिन की डांट सुनता। वह तो बाहर दूर बैठा मजे से आम खा रहा था। उसे आम, खीरा, टमाटर, गाजर खाने का भी बहुत शौक था। आम की खुशबू आते ही वह बेचैन हो उठता था। एक दूसरे पिल्ले को देखा था जिसे संतरा खाने का बहुत शौक था। संतरा छीलते ही वह घर के किसी भी कोने में बैठा हो, दौड़ा चला आता था। और हाथ से छीनने की कोशिश करता। संतरे की फांकें वह आदमी की तरह ही खाता। उसके बीज उगलता जाता था। एक दूसरे मित्र के यहां एक बार जाना हुआ था। मित्र ने अंकुरित चने परोसे थे। उनमें से कुछ फर्श पर गिर पड़े। अचानक सामने बैठी सफेद बिल्ली आई और बिखरे हुए चने पंजे से बीन-बीनकर खाने लगी। ये बातें अपनी आंखों से देखी हैं, वरना तो विश्वास करना ही मुश्किल हो।

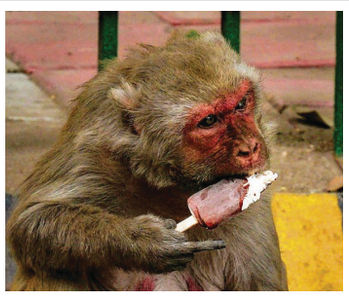

इन चौपायों की तरह ही पक्षियों की भी खान-पान के मामले में पसंद-नापसंद होती है। एक तोते को चाय इतनी पसंद थी कि वह घर वालों को चाय पीते देख पिंजरे में उछल-कूद मचाने लगता था। जब तक उसे चाय न दी जाए शोर मचाता रहता था। कहता था-मम्मी, चाय दो, चाय दो। जब उसे चाय और बिस्कुट दिए जाते तो चोंच में बिस्कुट को पकड़कर चाय में डुबोता और खाता। इसी तरह कौए भी यदि सूखे चावल खाने को पाएं तो वे उसे पानी में भिगोते हैं, तब खाते हैं। दूसरी चिड़ियों को नमकीन खाना इतना पसंद नहीं होता, मगर कौए इसका अपवाद होते हैं। हां, वे कबूतरों की तरह बाजरा या गेहूं अथवा मक्का नहीं खाते। मेरी खिड़की पर आने वाला कौआ बिस्कुट खाता है, ब्रेड, रोटी भी। कभी-कभी जब उसका इन चीजों को खाने का मन नहीं होता, तो इनकी तरफ देखता भी नहीं है। बंद खिड़की पर चोंच मारकर कुछ और खाने को मांगता है। न दो कांव-कांव करके पूरा घर सिर पर उठा लेता है। ऐसे में यदि घर में कोई मिठाई रखी है और वह उसे दे दी जाए तो बड़े शौक से खाता है। चोंच में भरकर अपने बाल-बच्चों के लिए भी ले जाता है। कई बार लगता है कि शायद वह मादा कौआ होगी, लेकिन कोई जरूरी नहीं क्योंकि पक्षियों में पिता भी अपने बच्चों को पालते हैं। उनके खान-पान का प्रबंध करते हैं।

जानवरों की दुनिया में भी तरह-तरह के खेल, मेल, मिलाप, लड़ाई-झगड़े हैं, शत्रु-मित्र की पहचान है मनुष्य की दुनिया की तरह। उन्हें भी स्वाद की पहचान है, जबकि मनुष्य इसे सिर्फ अपनी थाती समझता है। वह अपने को धरती का मालिक भी मानता है, जबकि यह धरती उन सबकी है, जो इस पर रहते हैं। इनमें तमाम पशु-पक्षी, कीट, पतंग, पेड़, पौधे, नदी, पहाड़, समुद्र सब शामिल हैं। इनमें से हर एक के अपने-अपने जीवन जीने, रहने-सहने के तौर-तरीके हैं। जिनमें वक्त के साथ ये बदलाव भी करते हैं। जैसे कि बिल्लियों को कूलर या एसी में सोना इन दिनों काफी पसंद आता है, जबकि उन्हें कहां से इन चीजों की आदत पड़ी। जब से वे अस्तित्व में आईं तब क्या कूलर और एसी ही थे? लेकिन वक्त के साथ सब अपने को दुनिया के बदलाव के नियम के तहत ही बदलते हैं। इसी तरह किसी गाय की पसंदगी-नापसंदगी देखनी हो तो उसे कुछ चीजें खिलाकर देखिए। जो चीजें वह नहीं खाना चाहती, उनसे तुरत मुंह फेर लेगी, सिर हिलाकर खाने से मना करेगी, फिर भी न माने तो सींग हिलाकर मारने की धमकी भी देगी। है न दिलचस्प।

सच तो ये है कि हम मंगल पर एक वायरस खोजने को बेकरार हैं कि काश! जीवन का कोई चिह्न मिल सके। यह भी क्या हमारे अलावा भी इस अंतरिक्ष में किसी और का अस्तित्व है, लेकिन हमारे आसपास, बाजू में मनुष्य से इतर जो दुनिया है, जहां न जाने कितने जीवधारी, पेड़-पौधे रहते हैं, उनकी तरफ हमारा ध्यान अक्सर नहीं जाता। जबकि उन्होंने भी लगातार अपने जीवन के तरीके बदले हैं। बहुत से घोसलों को घास के मुकाबले टीवी एंटिना के तारों से बना देखा है। यह भी एक बदलाव ही है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

छत्तीसगढ़ की पशुधन नीति अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय - रेखचंद जैन

जगदलपुर। इस अवसर उपस्थित पशुपालकों को संबोधित करते हुए विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पशुधन विकास मंत्री रविन्द्र चौबे की नीतियों के कारण आज छत्तीसगढ़ की पशुधन नीति अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है हमारी सरकार के द्वारा पशुपालन एवं पशुधन के विकास के लिए जो नीतियां बनाई गई है उसके कारण आज छत्तीसगढ़ में पशु पालन आज फायदे का काम बन गया है पूरे देश में छत्तीसगढ़ एकमात्र राज्य है जो गोबर एवं गौमूत्र की खरीदारी कर रहा है पशुओं को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए गांव गांव में गोठान बनाए गए हैं जहां पशुधन के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन के साथ सरपंच दयाराम कश्यप,संपत कश्यप,हेमंत देवांगन जनपद सदस्य चम्पा कश्यप,उप सरपंच आनंद बघेल,परसुराम बघेल,रमेश पात्रो शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री हेमू उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह विधि विभाग के जिलाध्यक्ष अवधेश झा, युवा नेता महेश द्वीवेदी ,संदीप दास ,बृज मोचन देवांगन, संयुक्त संचालक डी आर नेताम,वासू पिल्ले, डॉ आलोक भार्गव, डॉ जागेश्वरी तिग्गा, मुकेश तिवारी समेत पशुधन विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं पशुपालक उपस्थित रहे।

राहुल गांधी को मिली राहत, कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

कोरबा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कोर्ट से राहत मिलने पर जिला कांग्रेस कार्यालय टी.पी.नगर कोरबा में मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कहा कि कोर्ट के फैसला आने के बाद मात्र एक दिन में राहुल गांधी की संसदीय सदस्यता छीन लिया गया था अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राहुल गांधी की सदस्यता को कितने दिनों में बहाल करेंगे यह देखना है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सपना चौहान ने कहा राहुल गांधी ने हमेशा सच का साथ दिया भारत में एकता की चाह रखने वाले राहुल गांधी को साजिश के तहत संसदीय सदस्यता में अयोग्य ठहराया गया था। आज एक बार फिर असत्य पर सत्य की जीत हुई है। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने जानना चाहा कि राहुल गांधी को अधिकतम सजा दो वर्ष क्यों दी गई। दो वर्ष से एक दिन की भी कम की सजा दी जाती तो उनकी संसदीय सदस्यता नही जाती। राजकिशोर प्रसाद सहित श्याम सुंदर सोनी, सनीष कुमार आदि ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए इस जीत को इंडिया की जीत बताया।

मंत्री मोहन मरकाम ने रखी नारंगी नदी पर 6.65 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली स्टॉप डैम सह पुल निर्माण की आधारशिला

स्टॉप डेम निर्माण से लगभग 250 एकड़ क्षेत्र में मिलेगी सिंचाई सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

पुल निर्माण से मसोरा क्षेत्र के लोंगो के लिए कोण्डागांव की दूरी लगभग आधी होगी

81 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र का वितरण

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम ने शनिवार 5 अगस्त को कोण्डागांव जिले में 6.65 करोड़ रूपए की लागत से मसोरा से छुई ढोढा मार्ग में नारंगी नदी पर बनने वाले स्टॉप डेम सह पुल की आधारशिला रखी। उन्होंने इस अवसर पर छुई ढोढा में आयोजित आमसभा में उन्होंने 81 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र भी वितरित किया।

मंत्री श्री मरकाम ने कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी की बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होने जा रही है। उन्होंने बताया कि मसोरा से छुई ढोढा मार्ग में नारंगी नदी पर ढाई मीटर ऊंचे स्टॉप डेम के निर्माण से लगभग 250 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इससे जहां निस्तारी की सुविधा मिलेगी, वहीं भू जल स्तर भी बढ़ेगा। यहां 130 मीटर लंबे और 5 मीटर चौड़े पुल के निर्माण से आवागमन की सुविधा होगी। मसोरा क्षेत्र के लोगों के लिए कोंडागांव की दूरी लगभग आधी हो जायेगी। मंत्री श्री मरकाम ने कहा कि यहां जिन हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र दिया गया है, वे अब उस भूमि पर खेती के लिए अल्पकालीन कृषि ऋण ले सकते हैं। धान, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी आदि फसल समर्थन मूल्य पर बेच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है। चाहे वह किसान हो, कर्मचारी हो या मजदूर हो। मुख्यमंत्री ने धान का अधिक मूल्य देने के साथ ही तेंदूपत्ता का दर भी बढ़ाया है। इसके साथ ही महुआ का समर्थन मूल्य भी 17 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 33 रुपए कर दिया गया है। समर्थन मूल्य पर खरीदी किए जाने वाले वनोपजों की संख्या सात से बढ़ाकर 65 की गई है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष भत्ता दिया जा रहा है। इसके साथ ही सिरहा, गुनिया, गायता, पुजारी, आठ पहारिया को भी इसका लाभ मिल रहा है। संस्कृति के संरक्षण के लिए देवगुड़ी, मातागुड़ी और घोटूलों को संरक्षित करने के लिए भी शासन द्वारा राशि दी जा रही है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का किया वितरण

मंत्री श्री मरकाम ने इस अवसर पर ग्रामीणों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का भी वितरण किया। कार्यक्रम में कोण्डागांव जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती भगवती पटेल, जनपद अध्यक्ष शिवलाल मंडावी सहित जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत कैलेण्डर का विभिन्न स्थानों में किया जा रहा है वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरुआत, बारहों महीने सौगातों की बरसात' का वितरण जिला एवं जनपद पंचायतों तथा नगरीय निकायों के माध्यम से जशपुर जिले के विभिन्न स्थानों में वितरण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विगत दिनों जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम सरनाटोली, रोजगार अधिकारी कार्यालय में रोजगार कार्यालय पंजीयन कराने आए युवाओं को एवं सरना टोली में ग्रामीणों को कैलेण्डर का वितरण किया गया।

इसके साथ ही राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों, स्वसहायता समूह की महिलाओं, ग्रामीण तथा नगरीय निकायों के युवाओं एवं ग्रामीणों के अलावा समाज के सभी वर्ग के लोगों को 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत' कैलेंडर का वितरण किया जा रहा है। जिले में शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु जिले के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण करने वाली एलईडी वैन के माध्यम से भी ग्रामीणों को नियमित रूप से 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरुआत, बारहों महीने सौगातों की बरसात' एवं 'जनमन' पुस्तिका का वितरण किया जा रहा है।

अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरुआत, बारहों महीने सौगातों की बरसात' कैलेंडर से लोक पर्व, व्यंजन और पर्यटन पर केंद्रित कैलेंडर जिसमें सभी पर्व त्योहार की जानकारी प्राप्त हो रही है जिसे पाकर पाकर नागरिक हो रहे बेहद हैं खुश।

छोटे बच्चों ने आज किया बड़ा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। फ्रेंडशिप दिवस के अवसर पर आज जिले में संचालित समस्त छात्रावासों में छोटे बच्चों ने 18 वर्ष से अधिक आयु के छात्रों को 'मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जुड़वाएं' लिखा हुआ फ्रेंडशिप बैंड बांधकर उन सभी से वायदा लिया। जिले के पीएमटी छात्रावास, पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में लाइवलीहुड कॉलेज के छात्रों के द्वारा स्विफ्ट मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मितान दिवस अर्थात मित्रता दिवस के अवसर पर अपने सभी सीनियर छात्रों को फ्रेंडशिप बैंड बांधा गया, जिसमें यह लिखा था ''मतदाता सूची में नाम जरूर जुड़वाएं'' बैंड बांधा गया और उनसे संकल्प करवाया गया कि वे सभी मतदान अवश्य करेंगे और लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित करेंगे। जिले के छात्रों में मित्रता दिवस की उत्सुकता देखी गई जिला प्रशासन के आव्हान पर सभी जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों को संकल्प पत्र भरने एवं उन्हें नाम जुड़वाया क्या स्लोगन के तहत मतदान देने हेतु प्रेरित किया गया। 08 अगस्त 2023 को जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालय में कक्षा नवमी एवं दसवीं के छात्रों द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत सीनियर छात्रों को अनुरोध पत्र लिखा जायेगा, जिसमें मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। 10 अगस्त 2023 को सभी छात्रों के द्वारा अपने पेरेंट्स को अनुरोध पत्र लिखकर अनुरोध करेंगे कि 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़ने हेतु प्रेरित करेंगे।

राष्ट्रीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबाल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी बस्तर जोन की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संसदीय सचिव रेखचन्द जैन ने 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत जगदलपुर में आयोजित सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। चार दिवसीय इस फुटबाल प्रतियोगिता में 14 वर्ष बालक, 17 वर्ष बालक और 17 वर्ष बालिका तीन वर्ग में बस्तर जोन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए ओवर आल चैम्पियनशीप पर कब्जा किए।

दूसरा स्थान सरगुजा जोन और तीसरा स्थान दुर्ग जोन में प्राप्त किए। बस्तर संभाग की टीम इस महीने के अंत में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबाल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी।

जगदलपुर में 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत टॉउन हाल में आयोजित सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन ने कहा कि ना जीतना जरूरी है ना हारना जरूरी है, जिदंगी में आगे बढ़ना है तो खेलना जरूरी है।

उन्होंने विजेता खिलाड़ियो को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सचिव 23 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता जगदलपुर श्रीमती भारती प्रधान द्वारा आयोजन के प्रतिवेदन का वाचन किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सफीरा साहू, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधी और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अमृत भारत स्टेशन कायाकल्प योजना पर कांग्रेस का प्रहार

जब रेल ही नहीं रहेगी तो सुंदर स्टेशनों का क्या होगा?

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अमृत भारत योजना के तहत देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के तथाकथित कायाकल्प करने की मोदी सरकार का दावा देश की जनता के साथ छलावा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार यात्री रेल और रेल सुविधाओं को बंद करने का षडयंत्र कर रही है देश भर में यात्री गाडियां बंद की जा रही है, यात्री गाडिया अचानक रद्द कर दी जाती है, यात्री गाडियां घंटों नहीं दो-दो दिन लेट चल रही है ऐसे में रेलवे स्टेशनों को सुंदर और चमकीले बनाने से क्या होग?

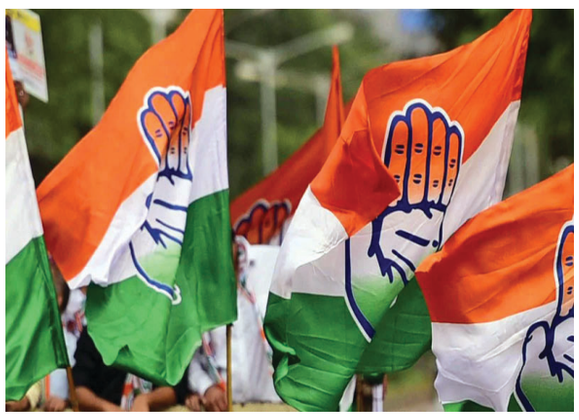

जब रेलवे से आम आदमी को मिलने वाली सुविधा ही समाप्त कर दी जायेगी तो लोगों को अपने शहरों के रेलवे स्टेशनों की सुंदरता से क्या फायदा होगा?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि रेलवे को लेकर मोदी सरकार की कार्य प्रणाली से ऐसा प्रतीत हो रहा मोदी सरकार देश की सबसे विश्वसनीय यात्री सुविधा परिवहन के निजीकरण का षडयंत्र रच रही है। मोदी सरकार ने देश की सबसे विश्वसनीय नागरिक परिवहन सुविधा मानी जानी वाली रेल सुविधा को मजाक बनाकर रख दिया है। पहले से आने जाने की तैयारी का ट्रेन की टिकट आरक्षित कराए जनता के साथ धोखा मोदी सरकार कर रही है। बीते 8 माह से अधिक हो चुका है जब ट्रेनों को अचानक स्थगित कर दिया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें रेलवे को नागरिकों की सुविधा के लिये चलाती थी मोदी सरकार कमाने के लिये जनता को लूटने के लिये इस्तेमाल कर रही। रेल्वे जनता को मिलने वाली सारी सुविधाएं बंद कर दिया। वृद्ध, विकलांग, छात्रों की सुविधाये हटा दिया। रेल्वे स्टेशन पर टिकिट बिक्री बंद कर टिकिटों के दाम बढ़ा दिया गया। मोदी सरकार इतनी क्रूर और अमानवीय और गैर जिम्मेदार हो चुकी है कि एक्सप्रेस ट्रेनों को गंतव्य स्थान पहुंचने के पहले बीच रास्ते में रद्द कर घोषणा कर दिया जाता है कि ट्रेन आगे नहीं जायेगी। आजादी के पहले से रेल आम आदमी की यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। मोदी सरकार ने इसको तबाह कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार के मनमानी पर भाजपा के सांसद मौन रहकर आम जनता के पीड़ा को बढ़ाने में लगे हुए है। भाजपा के 9 सांसदों के निष्क्रियता का नुकसान छत्तीसगढ़ की जनता को उठाना पड़ रहा है छत्तीसगढ़ की जनता के परेशानियों में कभी भी भाजपा के सांसद जनता के पक्ष में खड़े नहीं हुए। बीते कुछ महीनों से 2600 से अधिक जो ट्रेन बंद हुई थी, जिस के चलते प्रदेश के ट्रेन यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अचानक ट्रेन रद्द कर दी जाती है महीनों पहले यात्रा के लिए आरक्षित टिकटों को रद्द कर दिया जाता है और लगातार मोदी सरकार छत्तीसगढ़ में ट्रेनबंदी कर रही है। 8 माह में प्रदेश से चलने वाली और प्रदेश से गुजरने वाली लगभग 800 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है ट्रेन यात्री हताश और परेशान है। हकीकत में भाजपा के सांसद एक जनप्रतिनिधि तो होने का दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं रेल मंत्रालय के मनमानी पर हां में हां मिलाते हैं और रेल मंत्रालय के द्वारा की जा रही है गुमराह वाली बयानबाजी पर समर्थन करते हैं।

सोनईपुर में मलेरिया बीमारी का बढ़ा प्रकोप, स्वास्थ्य विभाग ने ली सुध

कोरबा। कोरबा जिले पाली विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पोटापानी के आश्रित ग्राम सोनईपुर में मलेरिया बीमारी का प्रकोप बढ़ा हुआ है। गाँव के लगभग 12 लोगों को मलेरिया का बुखार सिर पर पहुंच जाने से यहां के ग्रामीण भयभीत हो गए। जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम यहां पहुंची और जरूरी काम किया। पाली ब्लॉक के वनांचल ग्राम पंचायत पोटापानी के आश्रित ग्राम सोनईपुर में आज क्षेत्रीय विधायक मोहितराम केरकेट्टा पहुंचे। जहां गाँव मे फैले मलेरिया के ईलाज में लगे स्वास्थ्य कर्मियों व मितानिनों से मिलकर जानकारों ली वहीं स्वास्थ्य लाभ ले चुके ग्रामीणों से मुलाकात की।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री बघेल ने गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक गुरुदेव और भारत के राष्ट्रगान के रचयिता गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 07 अगस्त को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के योगदान को याद करते हुए कहा है कि गुरूदेव रवीन्द्रनाथ जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएं, नाटक और कई गाने लिखे। उन्होंने बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूंक दी। उनके विश्वविख्यात महाकाव्य गीतांजलि के लिए उन्हें साहित्य के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार दिया गया। वे नोबल पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बने। उनके लिखे गीतों ने संगीतबद्ध होकर रविन्द्र संगीत की नई संस्कृति को जन्म दिया। उनकी लेखनी के व्यापक प्रभाव का ही परिणाम है कि उनकी रचनाएं भारत और बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनीं। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का बहुमुखी व्यक्तित्व और कृतित्व अतुलनीय है।

आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगाः साव

रायपुर (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत छत्तीसगढ़ के चयनित 7 रेल्वे स्टेशन के आधुनिकीकरण की शुरुआत रविवार को हुई। इस अवसर पर भूमिपूजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस आधुनिकीकरण का प्रदेश के चयनित सभी 7 रेल्वे स्टेशन पर एक साथ शुभारंभ किया। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूर्ण होने पर ये सभी रेल्वे स्टेशन अब एयरपोर्ट जैसे दर्शनीय और सुविधासंपन्न होंगे। छत्तीसगढ़ के सात रेल्वे स्टेशन का इस आधुनिकीकरण के लिए चयन प्रदेश के लिए ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित स्वप्न का साकार होना है।

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने इस अवसर पर सभी सात स्टेशनों में कार्यक्रम आयोजित किए। उल्लेखनीय है कि 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, महासमुन्द, तिल्दा और अकलतरा के रेल्वे स्टेशन को कुल 1460 करोड़ रुपए खर्च कर केंद्र की सरकार अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण करने जा रही है। इस योजना के तहत रायपुर स्टेशन को 470 करोड़ रुपए, बिलासपुर स्टेशन को 465 करोड़ रुपए, दुर्ग स्टेशन को 455 करोड़ रुपए, भिलाई स्टेशन को 26.2 करोड़ रुपए, महासमुन्द स्टेशन को 15.9 करोड़ रुपए, तिल्दा स्टेशन को 13.8 करोड़ रुपए और अकलतरा स्टेशन को 13.7 करोड़ रुपए की सौगात दी गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बड़ी घोषणाः नायब तहसीलदार भी अब कहलाएंगे राजपत्रित अधिकारी

प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग हैं कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अधिकारीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के प्रांतीय सम्मेलन में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी घोषणा करते हुए नायब तहसीलदार के पद को राजपत्रित पद का दर्जा दे दिया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के द्वारा 'कृषि एवं प्रदेश के किसानों के विकास में राजस्व विभाग का योगदान' थीम पर आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में भुइंया के मितान स्मारिका का भी विमोचन किया। सम्मेलन में कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की प्रमोशन संबंधी मांग पर मुख्यमंत्री ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि अधिकारियों का समय पर प्रमोशन जरूर होगा।

मुख्यमंत्री ने कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों के जिम्मेदारियों की बात करते हुए कहा कि आप सभी प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग हैं और आपको बहुत सारे विविधतापूर्ण कार्य करने होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व अधिकारियों ने कोविड आपदा के समय महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने और लोगों को सहायता पहुंचाने का काम किया था जिसकी वजह से पूरे देश में छत्तीसगढ़ की सराहना हुई।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि बिना किसी शिकायत के पूरे प्रदेश में डेढ़ लाख एकड़ भूमि गौठानों के लिए आरक्षित की गई। यह काम कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों के कार्य के प्रति समर्पण को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में कसावट और जनता की सेवा करने के जज्बे की वजह से आज सुकमा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में भी जाति प्रमाण पत्र, नामांतरण और बंटवारा प्रमाण पत्र लोगों को उनके घर जाकर दिया जा रहा है।

सम्मेलन में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने नए तहसीलों और अनुविभाग की मांग की जिसे मुख्यमंत्री ने पूरा किया। आम लोगों को सहूलियत हो और सरकार लोगों तक पहुंचे इसके लिए नए जिलों की स्थापना की गयी है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश में सिर्फ तहलीदार ही एक ऐसा पद है जो भारत ही नहीं बल्कि अन्य पड़ोसी देशों में भी इसी नाम से जाना जाता है। अतः जितना बड़ा इस पद का नाम है उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है जिसे अच्छी तरह से निभाना आप सभी की जिम्मेदारी है।

राज्य स्तरीय प्रांतीय सम्मेलन में कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की तरफ से प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार लहरे, सचिव विक्रांत सिंह राठौर, प्रवक्ता शशिभूषण सोनी समेत राज्य भर से आए तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

जूनियर डॉक्टरों ने शिष्यवृत्ति बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री बघेल से जूनियर डॉक्टर्स एशोसिएशन ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में जूनियर डॉक्टर्स एशोसिएशन के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने जूनियर डॉक्टर की शिष्यवृत्ति बढ़ाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. राकेश गुप्ता सहित जूनियर डॉक्टर बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की शिष्यवृत्ति में जो बढ़ोत्तरी की है। उसके नवीन दर के अनुसार पीजी प्रथम वर्ष के लिए 53 हजार 550 रूपये से बढ़ाकर 67 हजार 500 रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। इसी तरह पीजी द्वितीय वर्ष के लिए 56 हजार 700 रुपये से बढ़ाकर 71 हजार 450 रुपये प्रति माह तथा पीजी तृतीय वर्ष के लिए 59 हजार 200 रुपये से बढ़ाकर 74 हजार 600 रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। एमबीबीएस के इंटर्नशिप के छात्रों के लिए 12 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 15 हजार 900 रुपये प्रति माह किया गया है। इस प्रकार से राज्य सरकार के इस निर्णय से अब जूनियर डाक्टरों की शिष्यवृत्ति में साढ़े 3 हजार रुपये से लेकर 15 हजार रूपये तक की बढ़ोत्तरी होगी।

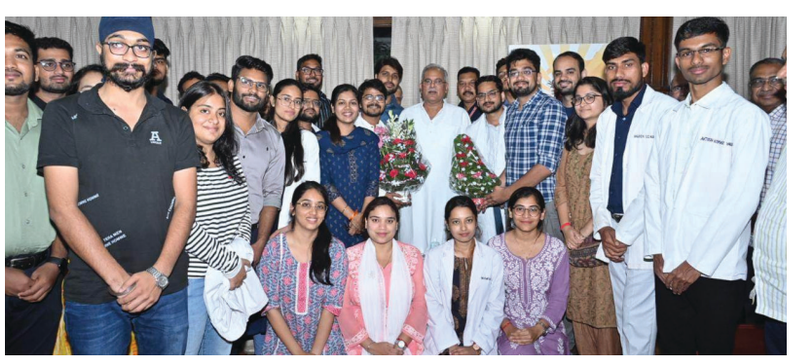

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में डॉ. गौरव सिंह परिहार, डॉ. मनुप्रताप सिंह, डॉ. योगेश्वर स्वर्णकार, डॉ. विजया सिंह, डॉ. प्रीतम प्रजापति, डॉ. दिलीप कुमार साहू, डॉ. हिमांशु सिंह, डॉ. अभिषेक गुजराती, डॉ. सोनल चंद्राकर तथा डॉ. व्योम अग्रवाल आदि शामिल थे।

राज्य के 13 लाख 62 हजार से अधिक किसानों को 6067 करोड़ 27 लाख का कृषि ऋण वितरित

रायपुर। राज्य में खरीफ 2023 के लिए किसानों को 5 अगस्त की स्थिति में 6067 करोड़ 27 लाख 60 हजार रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण खेती-किसानी के लिए दिया जा चुका है। राज्य शासन द्वारा बिना ब्याज के दिए जाने वाले कृषि ऋण का लाभ 13 लाख 62 हजार 42 किसानों ने उठाया है। किसानों को दी गई ऋण राशि इस साल के लिए निर्धारित 6100 करोड़ रुपए का 99.46 प्रतिशत है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक खरीफ के लिए बलोदाबाजार-भाटापारा जिले के सर्वाधिक 108059 किसानों ने कृषि ऋण लिया है। बालोद जिला ऋण लेने वाले किसानों के मान से दूसरे नंबर पर है, इस जिले के 107107 किसानों ने कृषि ऋण लिया है। बेमेतरा जिले के किसान ऋण लेने के मामले में तीसरे नंबर पर है, यहां के 99076 किसानों ने ऋण लिया है। रायपुर जिले में 64286, गरियाबंद में 42768, महासमुंद में 75154, धमतरी में 58409, दुर्ग में 70716, राजनांदगांव में 91490, कबीरधाम में 82080, खैरागढ़ में 40500, मानपुर-मोहला-चौकी में 35831, जगदलपुर में 27209, कोण्डागांव में 26845, नारायणपुर में 4611, कांकेर में 60244, दंतेवाड़ा में 2246, सुकमा में 7375, बीजापुर में 11206, बिलासपुर में 55596, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 5830, मुंगेली में 32960, जांजगीर-चांपा में 34137, सक्ती में 30109, कोरबा में 16545, सरगुजा में 36565, बलरामपुर में 18670, सूरजपुर में 33767, कोरिया में 13819, मनेन्द्रगढ़ में 7185, रायगढ़ में 28896, सारंगढ़ में 19305 तथा जशपुर जिले में 13446 किसानों ने अब तक अल्पकालीन कृषि ऋण अपने इलाके के सहकारी बैंकों से लिया है।

गौरतलब है कि गत वर्ष खरीफ2022 में 5 अगस्त तक राज्य के 12 लाख 20 हजार 317 किसानों ने 4883 करोड़ 80 लाख 59 हजार रूपए का ऋण लिया था। खरीफ सीजन 2022 में राज्य के किसानों ने कुल 5563 करोड़ 60 लाख रूपए का कृषि ऋण लिया था।

नवा रायपुर में 'वर्ल्ड क्लास सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिए आईसीएआई को पांच एकड़ जमीन दी जाएगीः भूपेश बघेल

तेजी से बढ़ते छत्तीसगढ़ राज्य में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए व्यापक संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर में कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए 'वर्ल्ड क्लास सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिए 'द इंस्टीट्यूट ऑफचार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' को पांच एकड़ जमीन देने की घोषणा की है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना आईसीएआई द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आईसीएआई के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन ''उत्कर्ष'' के दूसरे दिन अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी राज्य और देश की आर्थिक प्रगति में चार्टर्ड एकाउंटेट्स का महत्वपूर्ण योगदान होता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट व्यापार, व्यवसाय और उद्योग के आईने की तरह होते हैं, जो उनकी वास्तविक आर्थिक स्थिति को दिखाने का काम करते हैं और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मार्गदर्शन देकर अपना योगदान देते हैं। अधिवेशन के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की प्रगति के लिए उसके लिए अच्छा वातावरण तैयार करने की जरूरत होती है। आईसीएआई नवा रायपुर में वर्ल्ड क्लास इंस्टिट्यूट बनाना चाहता है, इसके लिए राज्य सरकार जमीन देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से आगे बढ़ते छत्तीसगढ़ राज्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। राज्य सरकार की नीतियों से छत्तीसगढ़ में पिछले पौने पांच वर्षों में कृषि, उद्योग, व्यापार के क्षेत्र में उत्साहजनक वातावरण निर्मित हुआ है। राज्य सरकार की नई उद्योग नीति से नए-नए उद्योग धंधे प्रारंभ हुए हैं। खेती-किसानी आज छत्तीसगढ़ में लाभ का व्यवसाय बन गया है। पिछले पौने पांच वर्षों में प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों की संख्या 12 लाख से बढ़कर 26 लाख हो चुकी है। खेती का रकबा 22 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 32 लाख हेक्टेयर हो गया है। समर्थन मूल्य पर पहले जहां 55 लाख मैट्रिक टन धान की खरीदी होती थी, वहीं इस वर्ष हमने 107 लाख मेट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह स्वास्थ और शिक्षा के क्षेत्र में भी राज्य सरकार द्वारा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के हर संभव प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत सबसे ज्यादा है, यहां 2200 यूनिट प्रति व्यक्ति बिजली क बिजली की खपत हो रही है। बिजली की मांग 4100 मेगावाट से बढ़कर 5800 मेगावाट हो गई है। बिजली की खपत में बढ़ोत्तरी छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति का द्योतक है। कोरोना काल में जब सभी जगह आर्थिक मंदी का प्रभाव था, छत्तीसगढ़ इससे अछूता रहा। उद्योग, व्यापार सहित सभी सेक्टरों में उन्नति हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि राज्य के लोगों के चेहरे की मुस्कान है। लोगों के सपनों को उड़ान देने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। राज्य सरकार इसके लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि व्यापार और व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए नवा रायपुर में 1000 एकड़ में एशिया के सबसे बड़े होल सेल मार्केट की स्थापना की जाएगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के प्रथम एक्टिंग मुख्य न्यायाधीश तथा गौहाटी हाइकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेश सूरजमल गर्ग, आईसीएआई के वाइस प्रेसीडेंट रंजीत कुमार अग्रवाल, लल्लूराम न्यूज के फाउंडर नमित जैन तथा सेंटर कॉउंसिल के मेंबर्स विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा प्रकाशित पत्रिका का विमोचन किया।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के प्रथम एक्टिंग मुख्य न्यायाधीश रमेश सूरजमल गर्ग ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज पूरे देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा है। आज छत्तीसगढ़ देश के किसी भी अच्छे राज्य से स्पर्धा कर सकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज और अच्छे इंस्टिट्यूटस की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया। आईसीएआई के वाइस प्रेसीडेंट रंजीत कुमार अग्रवाल ने कहा कि राज्य की इकॉनामी कैसे ग्रोथ करें, रिवेन्यू कलेक्शन कैसे बढ़े और नागरिकों को कैसे बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स बेहतर योगदान दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि संसद द्वारा 1949 में एक्ट पारित कर आईसीएआई की स्थापना की गई थी। 75 वर्षों में 1600 मेंबर के साथ प्रारंभ हुए आईसीएआई की मेंबरशिप बढ़कर 4 लाख हो गई है। कार्यक्रम को एसएसईबी के चेयरमेन मंगेश किनारे ने कहा कि सेंटर ऑफएक्सीलेंस बच्चों की स्किल बढ़ाने में योगदान देगा। नमित जैन और रायपुर ब्रांच के चेयरमेन रवि ग्वालानी, रायपुर ब्रांच सीआईसीएएसए की चेयरमेन सुश्री रश्मि भांगला ने भी अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न स्थानों से आए सीए के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

फलों का सेवन करते समय इन 5 गलतियों को करने से बचें, नहीं होगा नुकसान

जब फिटनेस और स्वास्थ्य की बात आती है तो फल हर किसी के लिए पोषण का पसंदीदा स्रोत होते हैं। हालांकि, कई लोग अनजाने में इनके सेवन के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में आइये आज हम आपको फलों का सेवन करते समय होने वाली 5 सामान्य गलतियां बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

रात को फल खाने से बचें

ज्यादातर लोग रात के समय फल खा लेते हैं, जो गलत है। रात का खाना हल्का होना चाहिए और खाने से ठीक पहले फल खाना कई तरह से नुकसानदेह हो सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इनमें मौजूद प्राकृतिक शुगर आपको लंबे समय तक जगाए रख सकती है क्योंकि यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ाती है। इस कारण रात की बेहतर नींद के लिए सोने से कम-से-कम 2 से 3 घंटे पहले ही फल खा लें।

फलों का जूस न बनाएं

जब आप किसी भी फल का जूस निकालते हैं तो उसकी सारी प्राकृतिक शुगर गिलास में रह जाती है और उसका फाइबर और छिलके वाले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद जब आप जूस को पीते हैं तो यह आपको अग्नाश्य पर जल्द-से-जल्द चीनी को संसाधित करने के लिए दबाव डाल सकता है। इससे बचाव के लिए या तो साबुत फल खाए या फिर जूस में 50 प्रतिशत पानी मिलाकर पीये।

फलों को काटने के बाद देर तक बाहर न रखें

कुछ लोग फल को काटकर रख देते हैं और फिर लंबे अंतराल के बाद उन्हें खाते हैं। ऐसा करना सही नहीं है। जब आप फल काटते हैं तो ऑक्सीकरण तुरंत शुरू हो जाता है। इससे उनमें पोषण कम हो जाता है और वे तापमान और हवा से जल्दी खराब हो सकते हैं। इस कारण जब भी आपको फल खाना हो उसी वक्त ही उन्हें काटें। इससे उनमें पोषण बरकरार रहेगा।

फल खाने के तुरंत बाद पानी न पीये

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि फल खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए क्योंकि यह शरीर के pH स्तर को बिगाड़ता है और पाचन समस्याओं का कारण बनता है। इसके कारण आपका पेट फूला हुआ भी महसूस हो सकता है या गैस और अम्लता का अनुभव हो सकता है क्योंकि फल खाने के बाद पानी पीने से पाचन धीमा हो जाता है। इससे बचाव के लिए फल खाने के कम-से-कम 20 से 25 मिनट बाद पानी पीये।

ठंडे फल खाने से बचें

ज्यादातर लोगों को ठंडे फल खाना पसंद होता है। हालांकि, इन्हें सीधे फ्रिज से बाहर निकालकर खाना हानिकारक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंडे फल खाने से शरीर को एक छोटा-सा झटका लगता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन में बाधा होती है, त्वचा रूखी होती है और ब्रेन फॉग भी हो सकता है इनसे बचाव और अधिकतर लाभ पाने के लिए कमरे के तापमान वाले फलों का सेवन करें।

पूजा हेगड़े में चढ़ा बॉर्बी का खुमार

पिंक नेकलाइन ड्रेस में शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने बॉर्बी लुक में अपनी फोटोज शेयर कर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज कर दी है।

इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देख फैंस लट्टू हो गए हैं। किसी का भाई किसी की जान फेम एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनके हर एक अंदाज की तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब पूजा हेगड़े ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में बॉर्बी लुक में नजर आ रही हैं। पूजा हेगड़े ने अपनी इन तस्वीरों में पिंक कलर का नेकलाइन बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अभिनेत्री कैमरे के सामने बेहद ही हॉट और सिजलिंग पोज में फोटोज क्लिक करवा रही हैं। ओपन हेयर, लाइट मेकअप और चेहरे पर क्यूट सी स्माइल देते हुए एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को अच्छे से निखारा है। अभिनेत्री पूजा अपने इस बॉडीकॉन आउटफिट में परफेक्ट बॉडी फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। हालांकि उनके इस लुक को देखकर भी फैंस उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं।

जानें क्या है जुवेनाइल आर्थराइटिस जो बच्चों को बना सकती है अपंग

जुवेनाइल आर्थराइटिस के लक्षण

जुवेनाइल आर्थराइटिस बच्चों में होने वाली एक ऑटोइम्यून बीमारी है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो हमारे देश में हर 1,000 बच्चों में से एक बच्चा इस बीमारी से प्रभावित है। इसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों में गठिया का सबसे आम रूप पाया जाता है। इसकी वजह से क्रोनिक दर्द, जोड़ों में विकृति, विकास में समस्या और डेली की एक्टिविटीज में परेशानी शुरू हो जाती है। अगर शुरुआत में ही जुवेनाइल आर्थराइटिस पहचानकर इसका इलाज कराया जाए तो बच्चों में विकलांगता और जोड़ में परेशानी को रोका जा सकता है। इससे बचाव में डॉक्टर की दवा, लाइफस्टाइल में बदलाव और फिजिकल थेरेपी काफी मदद करती है। आइए जानते हैं इस बीमारी से जुड़ी हर एक डिटेल्स।

ऐसे बच्चे जो जुवेनाइल आर्थराइटिस के शिकार होते हैं, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। दर्द, जोड़ों में अकड़न और कम चल-फिर पाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके चलते रोजाना की एक्टिविटीज और स्कूल, खेलकूद में बच्चों को परेशानियां होती हैं। कई बार इस बीमारी में दूसरे बच्चों से खुद को कम आंक बच्चे आइसोलेशन में भी चले जाते हैं। ये बीमारी उनकी आंख, दिल, फेफड़े और पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है।

जुवेनाइल आर्थराइटिस का इलाज

माता-पिता को बचपन से ही बच्चे की हर गतिविधि पर नजर रखनी चाहिए। अगर उनमें इससे जुड़ी किसी भी तरह के संकेत दिखाई देते हैं तो तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। क्योंकि सूजन से बच्चों की हड्डियों और जोड़ों में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। पैरेंट्स की देखभाल बच्चों की कठिनाई से बाहर आने में काफी मदद करती है। बच्चों को जुवेनाइल आर्थराइटिस से बचाने कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- बाल रोग विशेषज्ञ, रुमेटोलॉजिस्ट, बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सर्जन से नियमित तौर पर बच्चों की जांच इस बीमारी से बचाने में उनकी मदद कर सकती है।
- बच्चों को समय पर दवा देना चाहिए, ताकि दर्द और सूजन को कम किया जा सके।
- पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करना चाहिए।
- बच्चों को हल्के एक्सरसाइज करवाना चाहिए।
- इस स्थिति से निपटने के लिए बच्चों को इमोशनल सपोर्ट करें।
- जुवेनाइल आर्थराइटिस के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताने से इसकी समझ बढ़ सकती है और स्कूल- खेल के मैदान में सपोर्ट का माहौल बन सकता है।

शीना बजाज नॉन स्टॉप धमाल से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

इरशाद खान द्वारा निर्देशित फिल्म नॉन स्टॉप धमाल से एक्ट्रेस शीना बजाज बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म में काया की भूमिका निभाई है, जिसमें राजपाल यादव, अन्नू कपूर, मनोज जोशी, श्रेयस तलपड़े, हेमंत पांडे और कई अन्य कलाकार भी हैं।

शीना ने कहा, इस फिल्म से लंबे ब्रेक के बाद कॉमेडी में मेरी वापसी है। इस शैली में मेरी आखिरी फिल्म सिटकॉम बेस्ट ऑफ लक निक्की थी। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ फिल्म में काम करना अद्भुत था। राजपाल यादव से बहुत कुछ सीखा। वह हमेशा मदद के लिए मौजूद थे और हमने बहुत कुछ सुधार भी किया। उन्होंने मेरे काम के बारे में अच्छी बातें कहीं। ऐसी बातें बहुत मायने रखती हैं। अब जब वह फिल्मों में अपना सफर शुरू कर रही हैं, तो हम उनसे पूछा कि वह किस तरह की भूमिकाएं निभाने की इच्छुक है।

उन्होंने कहा, बॉलीवुड में, मेरा पर्सपेक्टिव मुख्य रूप से ऐसी भूमिकाओं की तलाश के इर्द-गिर्द घूमता है, जो गहराई से परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड हो, जो मुझे एक एक्टर के रूप में वास्तव में आगे ले जाए। यह वह अनोखी फिल्म है जहां आपके पास अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को अपने और आकर्षित कर सकते हैं।

एक बार जब आप यह हासिल कर लेते हैं और लोग आपकी प्रतिभा को पहचान लेते हैं, जो आगे बढ़ना आसान हो जाता है। नॉन स्टॉप धमाल 18 अगस्त को रिलीज होने वाली है और ट्रेलर 4 तारीख को लॉन्च होने वाला है। कृपया ट्रेलर देखें, म्यूजिक का आनंद लें। आपकी प्रतिक्रिया से सुधार हो सकते हैं।

इसके अलावा, होराइजन पर एक और फिल्म है, और मैं ईमानदारी से सभी से आग्रह करती हूं कि इस रोमांचक यात्रा के दौरान मुझे अपना अटूट समर्थन, प्यार और स्नेह प्रदान करें। एक्ट्रेस टीवी और साउथ फिल्मों का एक जाना माना चेहरा है। उन्होंने कहा, मुझे चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में फिल्मों में बड़े पैमाने पर काम करने का अवसर मिला है, खासकर महेश भट्ट और मुकेश भट्ट कैंप के साथ। मैंने करीना, कैटरीना सहित अलग-अलग एक्ट्रेस के चाइल्डहुड वर्जन को चित्रित किया है। मैं चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में अपने समय के दौरान कई टीवी शो और विज्ञापनों का हिस्सा रही हूं। हालाँकि, मैंने इन अलग-अलग माध्यमों के बीच स्पष्ट अंतर देखा है। टेलीविजन के लिए अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता होती है, जो अक्सर लगभग 16-17 घंटों तक चलता है।

उन्होंने आगे कहा, वर्तमान में, मैं एक ऐसे शो में शामिल हूं जहां टेलिकास्ट संबंधी समस्याओं के कारण शूटिंग बढ़ सकती है। इसके बावजूद, परफॉर्मेंस त्रुटिहीन रहना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि आपके चेहरे पर थकान या हताशा के कोई लक्षण न दिखें - चाहे कुछ भी हो, शो जारी रहना चाहिए। दूसरी ओर, फिल्मों में काम करने का एक सीमित शेड्यूल, सीमित समय और एक विशिष्ट समय की आवश्यकता होती है।

क्या टूथपेस्ट और शैंपू से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आज कैंसर पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। हर साल बड़ी संख्या में लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। इसके एक नहीं कई कारण हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में साल 2022 में कैंसर के 14.6 लाख केस थे, जो 2025 तक बढ़कर 15.7 लाख हो सकते हैं। कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। यह कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही करीब 8 लाख लोगों की मौत कैंसर से हो गई थी। ये आंकड़ा साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। कैंसर का मुख्य कारण खराब खानपान, वायु प्रदूषण और फिजिकल एक्टिविटी का कम होना है। हर दिन हम कई ऐसे काम करते हैं, जो कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं। इन्हीं में से एक है टूथपेस्ट और शैंपू का इस्तेमाल। माना जा रहा है कि दोनों प्रोडक्ट्स को यूज करने से कैंसर बढ़ सकता है। आइए जानते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स।

क्या टूथपेस्ट से कैंसर फैल रहा है

अब सबसे बड़ा सवाल कि क्या सुबह-शाम जो टूथपेस्ट हम कर रहे हैं, उससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। टोरंटो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में बताया गया है कि टूथपेस्ट में ट्राइक्लोसन कंपाउंड पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। ये ऐसा प्रोडक्ट है जो शरीर में कैंसर फैलाने वाले फैक्टर को एक्टिव कर देता है। कई टूथपेस्ट् में ट्राइस्कोसन काफी ज्यादा पाया जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है। कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि टूथपेस्ट में पाया जाने वाला ट्राइस्कोसन आंतों के गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे आंतों का कैंसर फैल सकता है। इसलिए टूथपेस्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

क्या शैंपू भी कैंसर का कारण

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू का कारण बन सकता है। ड्राई शैंपू में बेंजीन नाम का केमिकल पाया जाता है, जो शैंपू इस्तेमाल के दौरान केमिकल शरीर में चला जाता है और ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। यही कारण है कि कुछ महीने पहले ही एफडीए ने अमेरिका के बाजारों से कई ब्रांड के ड्राई शैंपू पर बैन लगा दिया गया। ये ऐसे शैंपू थे, जिनमें बेंजीन ज्यादा पाई गई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू यूज करने के दौरान बालों को गीला करना पड़ता है। ये स्प्रे की तरह होता है। इसमें बेंजिन ज्यादा पाया जाता है, जिससे ये कैंसर का कारण बन सकता है। इसलिए सावधानी पूर्वक ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

महानदी का बढ़ा जलस्तर, शिवरीनारायण में बाढ़ का खतरा, कराई गई मुनादी

शिवरीनारायण। छत्तीसगढ़ में तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से जिले के नदी नालों का जलस्तर बढ़ने लगा है। महानदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा भी मंडराने लगा है। शबरी सेतु पुल से अभी चार फीट नीचे पानी बह रहा है। ऐतिहात के तौर पर जिला प्रशासन ने महानदी तटीय क्षेत्रों के इलाके में अलर्ट जारी किया है। फ्लिहाल शबरी सेतु पुल से आवागमन जारी है। जिले के शिवरीनारायण महानदी पर बने शबरी सेतु पुल की ऊंचाई 729 फीट है। जिसमें शबरी सेतु पुल से 725 फीट यानी पुल से महज चार फीट नीचे ही महानदी का पानी बह रहा है। जिले में तीन दिनों से रुक ङ्क रुक कर हो रही वर्षा से महानदी का जल स्तर बढ़ गया है। महानदी शबरी सेतु पुल से आवागमन अभी जारी है। जलस्तर बढ़ने के बाद पुल से लोगों का आना ङ्क जाना बंद कर दिया जाएगा। यही हालत रही तो जांजगीर जिले का संपर्क बलौदाबाजार, सारंगढ़ ङ्क बिलाईगढ़, महासमुंद और रायपुर जिले से टूट जाएगा। जिला प्रशासन ने लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए महानदी के किनारे बसे गांव और तटीय क्षेत्रों के इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी किया है। अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए महानदी शबरी सेतु पुल के पास नगर सैनिक के गोताखोरों की तैनाती की गई है। पुलिस टीम भी शबरी सेतु पुल के पास तैनात है। एसडीएम जांजगीर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर का ने बताया कि ऐहितयात के तौर पर महानदी तटीय इलाकों में मुनादी करा दी गई है।

शहर से गांव तक लग रहा भूपेश है तो भरोसा है का नारा

जगदलपुर। शहर से लेकर गांव तक राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राही भूपेश है तो भरोसा है, के नारे लगा रहे हैं। शनिवार को लगातार दूसरे दिन नगर निगम के गंगानगर वार्ड में योजनाओं के लाभार्थियों ने वार्ड पार्षद व एमआइसी सदस्य राजेश राय को समस्त आवश्यक जानकारी देकर हितग्राही कार्ड भरे। वहीं शहर से लगे ग्राम आडावाल के राजीव पारा में भूपेश है तो भरोसा है, कार्यक्रम के अंतर्गत जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन के मार्गदर्शन में हितग्राही कार्ड भरे जा रहे हैं। शुक्रवार को इंटक के प्रदेश महासचिव विजय सिंह ने सरपंच श्रीमती जयंती कश्यप के साथ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनकल्याणकारी योजनाओं की जनता को जानकारी देते हितग्राही कार्ड बनाए। जनता ने सरकार की योजनाओं की तारीफकरते हुए भूपेश बघेल जी पर अपना भरोसा जताया है और स्थानीय विधायक को धन्यवाद देते हुए फ्रि से कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प लिया है। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनकल्याणकारी योजनाओं की जनता को जानकारी देते हितग्राही कार्ड बनाए जा रहे हैं। जनता भी योजनाओं की तारीफकरते हुए भूपेश बघेल जी पर अपना भरोसा जता रही है और स्थानीय विधायक को धन्यवाद देते हुए फ्रि से कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प ले रही है। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। वरिष्ठ पार्षद राजेश राय ने गंगानगर वार्ड में तुम्हर पार्षद तुम्हर द्वार योजना भी चला रखी है।

जलाराम मंदिर के पास जलभराव, मेयर ने देखी स्थिति

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद वार्ड क्र 02 स्वामी विवेकानंद मार्ग जलाराम मंदिर के समीप वार्ड वासियों की शिकायत मिली कि गलियों तथा आसपास जलभराव तथा जलाराम मंदिर के सामने गड्ढे में जल भराव तालाब नुमा स्थिति निर्मित हो जाने से वहां मच्छरों के पनपने तथा गंदगी के अभाव से आस पास के रहने वाले वार्ड वासियों को अत्यधिक परेशानियां होती थी। इसकी शिकायत महापौर से की गई थी जिस पर उन्होंने तत्काल संज्ञान में लेते हुए निगम के अधिकारियों को मौके पर जेसीबी के माध्यम से जल भराव को खाली करवाया गया, समीप ही बने नाले में जाम की वजह से निकासी की समस्या से निर्मित हुई थी। उसे तत्काल दूर कराया गया। प्रसाद ने बताया कि हमारे क्षेत्र के विधायक एवं छग राज्य के राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल का सक्त निर्देश भी है कि किसी भी वार्ड में सडक़ नाली, बिजली की समस्या का निराकरण जल्द करवायें जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महापौर श्री प्रसाद ने स्थानीय लोगों से निवेदन किया है कि गड्ढों के आसपास गंदगी न होने दें घरों से निकले अपशिष्ट पदार्थ प्लास्टिक आदि को नालियों में न डालें जिससे नालियों को जाम होने से बचाया जा सके तथा नालियों पर स्लैब से पक्का न करें जिससे सफाई के वक्त उसे तोडक़र हटाने की नौबत न आये। नालियों को निर्बाध गति से बहने से नालियों के गंदे पानी के भराव से बच सकें। भ्रमण के दौरान महापौर के साथ बंटी शर्मा, लक्ष्मीनारायण देवांगन, आशु केशरवानी, रवि अग्रवाल, मनोज शर्मा, विशाल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, बंटी अग्रवाल के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर शुरू मुहिम के दिख रहे सकारात्मक परिणाम

बारिश में लबालब हो रहे गर्मियों में खुदवाए 200 तालाब

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायगढ़। जिले में जल संरक्षण की दिशा में इस वर्ष ऐतिहासिक कार्य हुआ है, बारिश के करोड़ों लीटर पानी को सहेजने जिले में करीब 200 तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है। गर्मियों में खुदवाए गए ये तालाब अब बारिश में लबालब हो रहे हैं।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में जल संरक्षण की दिशा में बारिश के पानी को सहेजने जिले के अलग-अलग तालाबों के साफ - सफाई और गहरीकरण का काम किया गया है। विभागीय योजना के साथ सीएसआर से भी काम कराया गया। अमृत सरोवर की खुदाई मनरेगा से की गई, वहीं जिले के विभिन्न उद्योगों को सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अलग-अलग तालाबों को संवारने का जिम्मा दिया गया।

डीएमएफ से भी राशि जारी की गई है। तालाबों में जमी गाद और कचरे को साफ किया गया। जिससे तालाब की गहराई में 3 से 6 फीट की वृद्धि हुई और क्षेत्रफ्ल भी बढ़ा। परिणामस्वरूप एक तालाब में ही बारिश का लगभग 1 करोड़ लीटर तक ज्यादा पानी संचित हो सकेगा।

तालाब ग्रामीण जन जीवन और अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महती भूमिका निभाते हैं। आज जब गर्मी की चपेट में आकर जल स्त्रोतों के सूखने को घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे समय में रायगढ़ जिले में कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत गांवों में ऐसे तालाब जिनके अस्तित्व सिमटते जा रहे थे उन्हें सहेजने की ओर कदम बढ़ाए गए हैं। तालाबों की सफाई और गहरीकरण से गांवों के लोगों में भी काफी हर्ष है। बनसिया गांव के सरपंच मनोहर पटेल ने बताया कि उनके गांव के तालाब में 4 एकड़ का तालाब है जिसका गहरीकरण इन गर्मियों में किया गया है।

यहां सालों से जमा मलमा निकाला गया। जिससे तालाब की गहराई बढ़ी, पानी जमा होने का क्षेत्र भी बढ़ गया है। उन्होंने इसके लिए कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा और जिला प्रशासन का धन्यवाद करते हुए उम्मीद जताई कि अब गर्मियों में भी निस्तार के लिए यहां से पानी मिलेगा। रेंगालपाली के सरपंच श्री राकेश साव ने बताया कि उनके गांव में भी तालाब गहरीकरण किया गया है। जिससे पूरे गांव को निस्तार के लिए पानी मिल रहा है। तालाब की गहराई बढने से ग्राउंड वाटर रिचार्ज में भी फायदा दिख रहा है। तालाब के पास के खेतों में लगे ट्यूबवेल में पानी की मात्रा बढ़ी है। तालाब के पास जिनके खेत हैं वे किसान सीधे तौर पर इससे लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही मेढ़ की चौड़ाई भी लगभग 8 फीट तक बढ़ गई है। जिससे तालाब में पानी स्टोर होने और निस्तार के लिए आने जाने में सहूलियत हो रही है। गहरीकरण और साफ -सफाई से तालाब और आस-पास की सुंदरता बढ़ेगी।

विभिन्न स्थानों में पिचिंग का काम किया गया है। तालाब के मेढ़ की चौड़ाई भी बढ़ी है। यहां पौधारोपण भी किया जा रहा है। कई तालाबों में किनारों पर पेवर ब्लॉक्स भी लगाए जा रहे हैं। इन सब से तालाब की खूबसूरती भी बढ़ी है। तालाबों के जीर्णोद्धार से यहां करीब 1 करोड़ लीटर तक बारिश का पानी ज्यादा स्टोर होगा। जिससे आस-पास के लगभग 20 से 25 एकड़ में भू-जल स्तर बढ़ेगा। सिंचाई की सुविधा बेहतर होगी। मछली पालन जैसे आजीविका के काम किए जा सकेंगे। सब्जी उत्पादन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

रत्नावली कौशल को प्रत्याशी बनाने से होगी बड़ी जीत

श्रीकंचपनथ न्यूज

मुंगेली। विधानसभा क्षेत्र मुंगेली में पहली बार किसी युवा नेत्री की कांग्रेस की ओर से दमदार दावेदारी सामने आ रही है। कांग्रेस के आम कार्यकर्त्ताओं के साथ ही मतदाताओं की भी दिली इच्छा है कि इस बार कांग्रेस पार्टी रत्नावली कौशल को इस विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान पर उतारे। इन लोगों का कहना है कि रत्नावली को प्रत्याशी बनाए जाने से कांग्रेस के लिए जीत की राह न केवल आसान हो जाएगी,बल्कि जीत का अंतर भी बहुत ज्यादा होगा।

रत्नावली कौशल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,प्रभारी मंत्री गुरु रूद्र कुमार एवं राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम का विशेष कृपापात्र माना जाता है। मुख्यमंत्री ने उन्हें अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन सदस्य मनोनीत किया है।

इसके अलावा वे छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव पद का दायित्व भी पूरी निष्ठा के साथ निभाती आ रही हैं। राष्ट्रीय स्तर पर संचालित हिन्द सेना समाजसेवी संगठन की महिला ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य कर रही है। हाल ही में कांग्रेस के बूथ चलो अभियान के लिए उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जोन प्रभारी नियुक्त किया था। उन्हें जोन के 18 बूथों में अभियान को सफ्ल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रत्नावली कौशल ने इन सभी 18 बूथों में धुंआधार बैठकें लेकर युवाओं और कार्यकर्त्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। इन बैठकों में सुश्री कौशल ने कार्यकर्त्ताओं को बूथ मैंनेजमेंट के बेहतरीन टिप्स दिए, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जन जन तक पहुंचाकर लोगों का दिल जीतने का मंत्र दिया था। इन बैठकों के दौरान सैकड़ों युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस का दामन थाम लिया था। बूथ चलो अभियान के दौरान रत्नावली कौशल से मिले मार्गदर्शन का ही असर है कि आज भी सैकड़ों युवा और बूथ लेवल के कार्यकर्त्ता कांग्रेस की जीत को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। कांग्रेसजनों में ऐसी एकजुटता और जोश की लहर पहली बार नजर आ रही है। इस जोश को देखकर लगता है कि कांग्रेस ने अभी से मुंगेली विधानसभा क्षेत्र में जीत दर्ज करा ली है। रत्नावली कौशल क्षेत्र की महिलाओं, युवक,युवतियों और नए मतदाताओं की पहली पसंद बनी हुई हैं।

नवकिरण अकादमी से जुड़ेगा पीजी कॉलेज का स्मार्ट क्लास रूम

श्रीकंचपनथ न्यूज

महासमुंद। नवकिरण अकादमी से शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय के स्मार्ट क्लास रूम को जोड़ा जाएगा। जिससे नवकिरण अकादमी में दिए जाने वाले कोचिंग का लाभ कॉलेज के विद्यार्थियों को मिल सकेगा। कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विनोद सेवनलाल चंद्राकर की अध्यक्षता में आयोजित जनभागीदारी समिति की बैठक में इसका निर्णय लिया गया।

शनिवार को शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति की बैठक हुई। जिसमें विद्यार्थियों ने नवकिरण अकादमी से शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय के स्मार्ट क्लास रूम को जोडने की मांग की। जिस पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विनोद चंद्राकर ने अपनी सहमति देते हुए कहा कि इससे नवकिरण अकादमी में दी जा रही कोचिंग का लाभ कॉलेज के विद्यार्थियों को मिल सकेगा। इसी तरह आने वाले दिनों में कॉलेज में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें कॉलेज के स्टाफ के साथ ही विद्यार्थी अपनी सहभागिता निभाएंगे। पांच सितंबर शिक्षक दिवस के दिन रक्तदान शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। कैंटिन के सामने कांक्रीटकरण के साथ ही सीमेंट का बेंच लगाने के साथ ही हेल्प डेस्क में कॉलेज के नियमित कर्मचारी उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किए जाने का निर्णय लिया गया। वहीं विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में प्राध्यापकों की कमी को देखते हुए पद संख्या में बढ़ोत्तरी के लिए शासन से पत्राचार किया जाएगा।

इसी तरह आत्मानंद कॉलेज के नोडल अधिकारी अजय राजा द्वारा आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया गया जिस पर तत्काल निर्णय लेते हुए कार्यवाही करने के लिए जनभागीदारी प्रभारी डॉ दुर्गावती भारती को निर्देशित किया गया। इस दौरान जनभागीदारी समिति की सदस्य डॉ रश्मि चंद्राकर, दाऊलाल चंद्राकर, मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, रमाकांत गायकवाड़, किशन देवांगन सहित प्राचार्य डा रीता पांडे, जनभागीदारी समिति की प्रभारी डा दुर्गावती भारतीय, डा नीलम अग्रवाल, चंचल चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

इंदिरा बैंक के घोटालेबाज कितने भी रसूखदार हो बचेंगे नहीं

इंदिरा बैंक के खातेदारों के साथ न्याय होगा-कांग्रेस

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इंदिरा प्रियदर्शिनी बैंक घोटाले में अदालत के निर्देश पर की जा रही जांच से इंदिरा बैंक के खातेदारों में न्याय की आस जगी है। इस मामले में 44 उद्योगपति और मामले में संलिप्त लोगों को दी गयी नोटिस का कांग्रेस पार्टी स्वागत करती है। कांग्रेस विपक्ष में रहते हुये भी इंदिरा बैंक के खातेदारों को न्याय दिलाने के लिये खड़ी थी आज भी कांग्रेस सरकार का उद्देश्य खातेदारों को उनकी रकम वापस दिलाना है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इंदिरा बैंक घोटाले में जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा तत्कालीन सरकार के ऊपर से नीचे तक गया था। नार्को टेस्ट में बैंक मैनेजर उमेश सिन्हा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह को 1 करोड़, तत्कालीन गृह मंत्री रामविचार नेताम को 1 करोड़, तत्कालीन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को 2 करोड़, मंत्री राजेश मूणत को 1 करोड़, अमर अग्रवाल को 1 करोड़ तथा तत्कालीन डीजीपी को 1 करोड़ रू. घूस देने का खुलासा किया था। उसने नार्को टेस्ट में बताया है कि बैंक की अध्यक्ष रीता तिवारी के कहने पर उसने लाल, नीले और काले रंग के एडीडास कंपनी के बैग में रकम इन नेताओं के यहां पहुंचाया था। इसलिये रमन सरकार के समय पुलिस ने लेब से नार्को टेस्ट की अधिकृत सीडी लेकर साक्ष्य के रूप में अदालत में जमा ही नहीं किया था ताकि रसूखदार नेताओं को बचाया जा सके।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मैनेजर उमेश सिन्हा के नार्को टेस्ट में तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह सहित मंत्रियों के द्वारा पैसा लिये जाने की जानकारी पुलिस को शुरू से थी यह और इसीलिये नार्को टेस्ट की सीडी अदालत में प्रस्तुत नही की गयी जबकि नार्को टेस्ट अदालत के ही आदेश से करवाया गया था। अदालत ने प्रकरण क्रमांक 614/07 की पेशी दिनांक 4/6/2007 को माननीय मुख्य न्या.मजि.रायपुर के आदेश दिनांक 25/01/2007 के अनुसार ही उमेश सिन्हा का नार्को टेस्ट बैंगलोर में कराया गया। नार्को टेस्ट की रिपोर्ट पर छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा सरकार के मुखिया और इतने प्रभावशाली मंत्रियों के विषय में स्वतंत्र और निष्पक्ष विवेचना संभव ही नहीं है। नार्को टेस्ट की रिपोर्ट में तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल के पैसे लेने की जानकारी मिली। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस द्वारा राज्य सरकार के तत्कालीन मुखिया डॉ. रमन सिंह और उनके प्रभावशाली मंत्रियों बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल के खिलाफजांच की ही नहीं गयी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि परिसमापक इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला नागरिक सहकारी बैंक द्वारा प्रकरण सी.बी.आई.को सौपने हेतु पंजीयक सहकारी संस्था के द्वारा शासन को पत्र क्रमांक/परि./स्था./2009-10 दिनांक 24/12/2009 लिखा गया था। पंजीयक सहकारी संस्थाएं ने भी छत्तीसगढ़ पत्र क्रमांक/साख-3/नाग0 बैंक/2010/483 रायपुर दिनांक 04.02.2010 के द्वारा सचिव छत्तीसगढ़ शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय रायपुर को इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या0 रायपुर में हुये 54 करोड़ के गबन/घोटाले से संबंधित प्रकरण सी.बी.आई. को सौंपने की अनुशंसा की गयी थी लेकिन मुख्यमंत्री रमन सिंह एवं मंत्रियों को बचाने के लिये सीबीआई जांच की यह अनुशंसा नहीं मानी गयी। भूपेश सरकार इस मामले में गरीबों को न्याय देने के लिये प्रतिबद्ध है।

सरोवर दलपत सागर स्वच्छता महाअभियान में सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक निभाई सहभागिता

श्रीकंचपनथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर दलपत सागर के संरक्षण की दिशा में चलाये जा रहे स्वच्छता महाअभियान में रविवार को जगदलपुर नगर के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भूमिका निभायी।

इस दौरान कलेक्टर विजय दयाराम के.,महापौर श्रीमती सफीरा साहू और जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टरहरेश मंडावी सहित जनप्रतिनिधियों, नगर पालिक निगम आयुक्त केएस पैकरा और जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों, राज्य आपदा मोचन बल के जवानों, समाजसेवी संगठनों,दलपत सागर बचाओ अभियान व इंद्रावती बचाओ अभियान से जुड़े सदस्य, युवोदय के स्वयंसेवकों, युवाओं के साथ ही बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक साफ-सफाई कार्य में हिस्सा लेकर ऐतिहासिक सरोवर दलपत सागर स्वच्छता अभियान में महत्ती योगदान दिया। इस मौके पर सभी लोगों ने सुबह से ही दलपत सागर के रानी घाट के समीप एकत्रित होकर हाथ से हाथ बंटाते हुए सरोवर से जलकुंभियों को निकाला। ज्ञातव्य है कि बस्तर की ऐतिहासिक सरोवर दलपत सागर के संरक्षण के लिए पूर्व में जलकुंभी को नष्ट करने हेतु प्रायोगिक तौर पर बैक्टीरियल ई-बॉल डाले गए हैं। बैक्टीरियल ई-बॉल कैल्शियम कार्बोनेट यानि चूना का गोला है।

जिसमें मुख्य रूप से 14 प्रकार के बैक्टीरिया शामिल हैं। इसमें मौजूद टी-64 और टी-14 जलकुंभी एवं हाइड्रिला के जड़ को खाता है, वहीं इसमें मौजूद अन्य बैक्टीरिया जल शुद्धिकरण का कार्य करते हैं। दलपत सागर में डाले गए बैक्टीरियल ई-बॉल के कारण जलकुंभियां और हाइड्रिला सूखकर पानी में तैरने लगते हैं, जिन्हें वीड हारवेस्टर के जरिये पानी से निकाला जा रहा है। दलपत सागर के संरक्षण की दिशा में बस्तर के लोग लगातार सकारात्मक पहल कर इस ओर योगदान दे रहे हैं और हर सप्ताह रविवार को दलपत सागर में साफ-सफाई करने के लिए स्वस्फूर्त होकर जुट रहे हैं।

पीपी कोर्स का मिला प्रशिक्षण, एएसआई बनकर लौटे

कोरबा। जिले के 20 प्रधान आरक्षक माना पुलिस प्रशिक्षण केंद्र अकादमी में एक माह का पीपी कोर्स का प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद कल मूसलाधार बारिश के दौरान पासिंग परेड में प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी एसपी एन.खान एवं डीएसपी श्री बघेल के हाथों अपना प्रशिक्षण प्रमाण पत्र व प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर आज कोरबा पहुंचे। यहां वे अपने पूर्ववर्ती पदस्थापना वाले थाना एवं चौकियों में आमद देकर कार्य तब तक करेंगे जब तक जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें स्टार लगाकर नवीन थानों में पदस्थापना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बिलासपुर संभाग के 294 प्रधान आरक्षकों जिनमें 50 के लगभग महिला प्रधान आरक्षकों को राज्य पुलिस मुख्यालय के माना पुलिस प्रशिक्षण अकादमी केंद्र में एक माह के पीपी कोर्स के लिए बुलाया गया था जिनमें लगभग 250 लोग बिलासपुर रेंज के शामिल हुए थे। कोरबा जिले से 20 लोग इसमें प्रशिक्षण लेने पहुंचे थे।

खास-खबर

रसमड़ा के रायपुर पावर एंड स्टील्स में बड़ा ब्लास्ट, एक मजदूर की मौत, दो मजदूर झुलसे

दुर्ग। रसमढ़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित रायपुर पावर एंड स्टील्स में रविवार सुबह बड़ा ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के कारण एक मजदूर की मौत हो गई वहीं दो मजदूर बूरी तरह से झुलस गए हैं और कई मजदूर घायल हो गए हैं। झुलसे व घायल मजदूरों को सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पावर एंड स्टील्स में रविवार को छुट्टी होने के बाद भी अंदर काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि कई मजदूर काम पर लगे थे और फैक्ट्री के अंदर लोहा पिघलाने का काम चल रहा था। इस दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया और गर्म लोहा गिरने से मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान गनियारी गांव निवासी खेमलाल साहू के रूप में हुई है। वहीं गर्म लोहा कुछ अन्य मजदूरों पर भी गिरा जिसमें दो मजदूर बुरी तरह से झुलस गए हैं और कई मजदूर घायल हैं। हादसे में एक मजदूर देवेंद्र कुमार साहू 50 प्रतिशत से अधिक झुलस गया है। इसके साथ एक मजदूर का पैर टूटने की भी खबर है। बताया जा रहा है हादसे के समय 100 से अधिक मजदूर फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है। पुलिस ब्लास्ट के कारणों की जांच कर रही है। इस पूरे हादसे के बाद एक बार फिर स्टील कंपनियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

डंडे से पीट-पीटकर चचेरे भाई की ले ली जान, शादी में खर्च को लेकर दोनों में था विवाद

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में चचेरे भाई ने अपने बड़े भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। खबरों के अनुसार दोनों भाईयों में शादी को लेकर विवाद था। चचेरा बड़ा भाई छोटे भाई को शादी को लेकर आए दिन ताने मारता था, इससे परेशान होकर छोटे भाई ने चचेरे भाई के सिर और चेहरे पर डंडे से कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, यह गरियाबंद के शोभा थाना के गौरगांव इलाके का मामला है। जानकारी के अनुसार आरोपित जयसिंह मंडावी ने अपने चचेरे बड़े भाई धरमसिंह मंडावी की हत्या कर दी। आरोपित ने बड़े भाई के सिर पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि शादी में खर्चा करने की बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। आरोपित जयसिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शोभा थाना की पुलिस ने बताया कि आरोपित से पूछताछ की। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपित के खिलाफ हत्या के तहत जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस की सरप्राइज चेकिंग: 187 गाड़ियों की जांच, नशे में वाहन चलाने वाले 27 पकड़े गए

बिलासपुर। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य चौक चौराहों पर शनिवार की रात पुलिस ने 187 वाहनों की सरप्राइज चेकिंग की। इनमें 27 शराब पीकर गाड़ी चलाते मिले। उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान एसपी संतोष कुमार सिंह खुद रात को शहर में निकले और कार्रवाई का जायजा लिया। उनके निर्देश पर प्रमुख चौराहे व सभी ग्रामीण थाना में संदिग्ध वाहनों की जांच की गई। इस दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव, ब्लैक फिल्म वाले कार, बिना नंबर की गाड़ी, तीन सवारी गाड़ी, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों की जांच की गई। अधिक शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की गाड़ियां जब्त की गई। उनके खिलाफ 185 एमवी एक्ट के तहत 27 वाहनों को जब्त किया गया। इन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। कुल 187 वाहन मालिकों से एमवी एक्ट के तहत 65 हजार 200 हजार रुपए वसूल किया गया।

फ्रेंडशिप-डे पर शिवनाथ नदी घाट पिकनिक मनाने पहुंचा युवक डूबा, दूसरे दिन सुबह मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। फ्रेंडशिप डे के दिन रविवार को शिवनाथ नदी घाट पर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचा युवक नदी में फिसलकर गिर गया और तेज बहाव में बह गया। बताया जा रहा है कि हाथ धोने के लिए वह किनारे पर उतरा था इस दौरान उसका पैर फिसला और वह बहता ही चला गया। किनारे पर उसके दोस्त चिल्लाते रहे लेकिन देखते ही देखते वह बहाव में गुम हो गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची दुर्ग पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से युवक की तलाश शुरू की। रात होते तक युवक का कुछ पता नहीं चला। सोमवार को सुबह फिर से युवक की तलाश शुरू की गई। कुछ घंटों बाद युवक का शव बरामद कर लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार युवक की पहचान कांट्रैक्टर कॉलोनी सुपेला वार्ड-17 निवासी विकास यादव के रूप में हुई है। रविवार शाम 4 से 5 बजे के लगभग विकास अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप डे सेलीब्रेट करने शिवनाथ नदी के जेवरा सिरसा खमरिया भाटा पहुंचा था। यहां सेलीब्रेशन के दौरान एक युवक का पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बहने लगा। इस दौरान किनारे पर बैठे उसके दोस्त चिल्लाने लगे।

सूचना मिलने के कुछ देर में ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। एसडीआरएफ की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई लेकिन रात तक उसका कुछ भी पता नहीं चल पाया। सोमवार को सुबह एसडीआरएफ की टीम ने फिर से तलाश शुरू की। कुछ घंटों में टीम को सफलता मिली और युवक का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सुपेला अंडरब्रिज के पास मिला बुजुर्ग महिला का शव, ट्रेन हादसे में गई जान

भिलाई। प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला अंडरब्रिज के पास ट्रेन से टकराने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। सोमवार सुबह यहां ट्रैक पर शव देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची सुपेला पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोसटमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान कलिंदरी यादव (85) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतका की मानसिक स्थिति टीक नहीं थी और वह रविवार शाम से लापता थी।

मिली जानकारी के अनुसार सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रियदर्शिनी परिसर अंडरब्रिज के पास बुजुर्ग महिला का शव मिला। महिला के सिर पर चोट का निशान था। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि महिला ट्रेन से टकराई जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान कलिंदरी यादव के रूप में किया गया है। परिजनों को सूचना देने के बाद मौके पर पहुंचे। वार्ड पार्षद भी इस दौरान मौजूद रहे। परिजनों ने बताया कि मृतका की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह ठीक से सुन भी नहीं पाती। मृतका किसी को पहचान भी नहीं पाती थी। रविवार शाम से वह लापता थी जिसे परिजन तलाश रहे थे।

दुर्ग पुलिस की कॉबिंग गश्तः 18 घंटे में पकड़े गए 268 वारंटी, शहर के बारों में भी पुलिस की दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने शनिवार रात को शहर में कॉबिंग गश्त की। दुर्ग पुलिस ने 25 टीम बनाकर शहर के अलग अलग क्षेत्रों में दबिश दी। कॉबिंग गश्त के दौरान पुलिस को कई वारंटियों को पकड़ने में सफलता मिली है। इस दौरान शहर के बारों में पुलिस की दबिश दी गई। तय समय से ज्यादा समय तक खुले मिले बार संचालकों पर कार्रवाई की गई।

बता दें पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के द्वारा समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों की मीटिंग पुलिस कंट्रोल रूम भिलाई में लेकर फरार वारंटीओं को गिरफ्तार करने निर्देश दिए गए थे। एएसपी संजय कुमार ध्रुव व एएसपी ग्रामीण अनंत साहू नेतृत्व में रात 9 बजे से कांबिंग गश्त कराया गया था। इस अभियान में कुल 268 वारंटी तामिल कराई गई। इस गश्त के दौरान राजपत्रित अधिकारी, 17 थाना प्रभारी सहित 100 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे। शहर के सभी थानों में वारंट के लंबित मामले बढ़ने से आरोपित के फरार होने व वारंट तामीली नहीं होने से न्यायालय मे प्रकरण लंबित थे। वारंट की तामीली होने से पीड़ितों को न्याय मिल सकेगा।

बारों में पड़ी पुलिस की रेड

दुर्ग पुलिस के द्वारा कल 18 घंटे से लगातार चल रही इस कवायद में कल 25 टीम बनाकर जिले के नामचीन बारों में एक साथ चेकिंग कार्यवाही भी की गई थी, जिससे बार संचालकों में हड़कंप मच गया। बार में दबिश के दौरान भी कई वारंटी भी पकड़े गए। इसके अलावा निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाशों की भी रात में सरप्राइस चेकिंग की गई और उन्हें किसी भी अपराध में शामिल ना होने की हिदायत दी गई।

सेमरहा के पास हाफ नदी में मिली महिला की लाश

कुकदूर (ए)। कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरहा के पास रविवार को हाफ नदी में एक लाश मिली है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शव किसी महिला की है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

मिली जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह सेमरहा गांव के पास हाफनदी में महिला की लाश देखी गई। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकलवाया। शव के शरीर पर कपड़े नहीं थे। दोनों पैरों व हाथ में गोदना के निशान हैं।

वहीं माथे पर मोतियों की माला थी। प्रथम दृष्टया शव किसी बैगा महिला का होना प्रतीत हो रहा है। क्योंकि इस तरह पूरे शरीर पर गोदना बैगा समाज की महिलाएं भी गुदवाती है। सेमरहा गांव के ऊपर उपका, बांटीपथरा, ठाकुरटोला समेत कई अन्य गांव हैं, जहां से होकर हाफ नदी गुजरती है। अब पुलिस उन गांवों में जाकर शव की पहचान की कोशिश करेगी। वहीं थानों में गुमशुदा महिलाओं के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

पीएम के लिए राजनांदगांव भेजा शवः शव प्रथम दृष्टया दो दिन पुराना लग रहा है। पानी में डूबा होने के कारण लाश काफी सूज गई थी। शव को जिला अस्पताल कवर्धा भेजने के बाद इसे पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव भेजा गया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

तलवार लहराकर मारपीट, फिर लूट

बाइक के सामने बदमाशों ने अड़ाई कार, फिर बैग और पैसे छीनकर हो गए फरार, नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में ड्यूटी कर लौट रहे NTPC कर्मी की बाइक के सामने कार अड़ाकर बदमाशों ने पहले चॉबी छीन ली। फिर तलवार दिखाकर मारपीट कर पैसे लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने इस केस में नाबालिग समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है।

रतनपुर क्षेत्र के ग्राम भरवीडीह में रहने वाला अनिल कुमार धीवर (25) एनटीपीसी में काम करता है। बीते शुक्रवार को वह ड्यूटी करने के बाद अपने घर जा रहा था। वह उच्चभट्ठी नहर के पास पहुंचा था। उसी समय पीछे से आ रहे कार सवार युवकों ने उसे ओवरटेक किया। फिर उसकी बाइक के सामने कार अड़ाकर उसे रोका। इस दौरान तीन युवक नीचे उतरे और एक युवक कार में ही बैठा रहा। एक ने लात मारकर अनिल की बाइक को गिरा दिया। इससे बाइक पर बैठा एनटीपीसी कर्मी भी गिर गया। दूसरे युवक ने उनके बैग को छीन लिया। इसके बाद मारपीट करते हुए पैंट की जेब से एक हजार रुपए निकाल लिए।

तलवार दिखाकर धमकाया और की लूटपाट

अनिल ने पुलिस को बताया कि लूटपाट करने वाले बदमाशों ने पहले उसके साथ मारपीट की। फिर बाइक की चाबी छीन ली। विरोध करने पर उन्होंने अपने पास रखे तलवार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी, जिसके कारण वह डर गया। अनिल ने कार का नंबर देख लिया था, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

कार व तलवार के साथ बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने जांच के दौरान एक 16 साल के लड़के साथ चांटीडीह निवासी आशुतोष तिवारी उर्फ एंग्री और सूरज सिंह ठाकुर (22) को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने लूट की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस ने उनकी कार को भी जब्त कर ली है, जिसमें तलवार भी बरामद हुआ है। आरोपियों के खिलाफ लूट के साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस इन बदमाशों से पूछताछ कर उनके एक अन्य साथी की जानकारी जुटा रही है।

एटीएम तोड़ने का प्रयास किया, सफल नहीं हुए तो यूपीएस लेकर भागे चोर

भिलाई। छावनी थाना अंतर्गत शास्त्री नगर क्षेत्र में एक एटीएम को तोड़ने का प्रयास हुआ। घटना 1 अगस्त की रात 11:45 से 2 अगस्त की सुबह 4 बजे के बीच की बताई गई है। चोर एटीएम तोड़ने में असफल हुए, तो उन्होंने बैटरी और यूपीएस ही चुरा लिया और मौके से भाग खड़े हुए। एटीएम बीएम शाह अस्पताल के निकट इंडिया-1 कंपनी का था। आरोपियों ने सीसी टीवी तोड़ने के साथ एटीएम की बॉडी तोड़ने का प्रयास किया। इसमें सफल नहीं हुए तो एटीएम के बैक रूम का ताला तोड़कर अंदर रखा यूपीएस और बैटरी लेकर चंपत हो गए।

किसी ने अंदर का हाल देख कंपनी के प्रतिनिधि को कॉल कर सूचना दी। आगे कंपनी की टीम पहुंची तो एटीएम को सीसी टीवी कैमरा टूटा पड़ा था। एटीएम की बॉडी क्षतिग्रस्त मिली। कंपनी के प्रतिनिधि ने छावनी थाने में मामले की शिकायत की। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। खबर है कि आरोपियों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तस्वीर के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

संचालक कंपनी की ओर से एटीएम में कोई गार्ड नहीं था

बीएम शाह अस्पताल के निकट लगे जिस एटीएम को तोड़ने की कोशिश की गई, उसे निजी कंपनी इंडिया-1 संचालित कर रही है। कंपनी की तरफ से एटीएम की सुरक्षा के लिए गार्ड नहीं रखा गया है। इस एटीएम के पास ही स्टेट बैंक द्वारा भी एक और एटीएम लगाया गया है। उसके पास भी रात में सुरक्षा के लिए कोई गार्ड नहीं रहता है। घटना वाली रात भी एटीएम बगैर गार्ड के था।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

गृहमंत्री साहू के जन्मदिन पर आंखों की निशुल्क जांच कर चश्मे भी बांटे

दुर्ग। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू का 75वां जन्मदिन उनके मीनाक्षी नगर स्थित आवास में मनाया गया। इस दौरान सुबह से ही उनके समर्थकों के पहुंचने का क्रम जारी रहा। इधर छत्तीसगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज धनोरा में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां जांच उपरांत छात्रों को निशुल्क चश्मे का वितरण किया गया। 107 लोगों की जांच की गई। उनमें से जरूरतमंदों को चश्मा उपलब्ध कराया गया। युवा कांग्रेस लोकसभा क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष अय्यूब खान के नेतृत्व में यह शिविर आयोजित किया गया। इसके अलावा भी जिला अस्पताल और पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम में फ्?ल वितरण किया गया। इधर मीनाक्षी नगर में सुबह से ही कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया। सभी ने साहू को ज?न्मदिन की बधाई दी। इस दौरान मुख्य रूप से सीवी राव, कमल शर्मा, पुरुषोत्तम सोनवानी, राज ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी सम्मानित हुए

भिलाई। स्कूली बच्चों में ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और संस्कार के तथ्यों से अवगत कराने अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार और गायत्री तपोभूमि मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा वर्ष 2022-2023 का परिणाम की घोषणा विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पांडेय, शैल बाला पांडेय, उप कुलपति डॉक्टर चिन्मय पांडेय, शैफ़ाली पांडेय के उपस्थित में किया गया। राज्य स्तरीय परीक्षा पर राधना पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैंप-2 भिलाई की कक्षा 11वीं की छात्रा अंजली यादव को प्रथम पुरस्कार के रुप में 2500 रु. नगद राशि के साथ प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा 11वीं की छात्रा हर्षिता सोनी को तृतीय पुरस्कार 1000 रुपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा परीक्षा में उत्तीर्ण राज्य और जिला के सभी छात्र-छात्राओं को भी संबंधित संस्थानों में जाकर गायत्री परिवार के प्रतिनिधि ने प्रशस्ति पत्र दिया। इस अवसर पर संस्था के गोविंद वर्मा, प्राचार्य अनिता वर्मा, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला प्रभारी आरके सिंह, वीपी सिंह, रामाधार महिलांग, सांता साहू आदि उपस्थित थे।

निषाद समाज की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने युवाओं ने जोर दिया

दुर्ग। जिला निषाद समाज युवा प्रकोष्ठ दुर्ग की बैठक रविवार को जिला कार्यालय पुलगांव में हुई, जिसमें 13 परिक्षेत्र के पदाधिकारी सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर राजनीति के क्षेत्र में समाज की भागीदारी और जिले के 13 परिक्षेत्र में 8 में युवा प्रकोष्ठ के गठन पर चर्चा की गई। जिला पदाधिकारियों ने कहा कि समाज की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। वर्तमान में जिले के पांच परिक्षेत्र में युवा प्रकोष्ठ का गठन हो चुका है। बाकी के परिक्षेत्र में युवाओं को जोड़कर प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तय किए जाएंगे। आखिर में समाज के नियमावली में संशोधन करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में दुर्ग जिला निषाद समाज अध्यक्ष वीरेन्द्र निषाद, समाज के वरिष्ठ खोरबहरा निषाद, ईश्वर निषाद, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष वीरेंद्र निषाद, वरुण निषाद सहित समाज के अन्य युवा उपस्थित थे।

दुर्ग बाईपास टोल प्लाजा पर सीजी 07 वाहन अब टोल फ्री, लेन 1 और 8 से जा सकेंगे वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग बाईपास टोल प्लाजा पर अंतत: निजी वाहन (नान कमर्शियल) सीजी 07 को टोल टैक्स फ्री कर दिया गया है। अब सीजी 07 कार चालक आरक्षित लेन 01 और 08 से निश्शुल्क आवागमन कर सकेंगे। यानी दुर्ग से राजनांदगांव जाने वाले कार चालक लेन 08 और राजनांदगांव से दुर्ग आने वाले कार चालक लेन 01 से निश्शुल्क आना-जाना कर सकेंगे। यहां पर प्रत्येक वाहन से 75 रुपये एक तरफ जाने का वसूला जाता था।

बता दें जिला कांग्रेस कमेटी भिलाईनगर के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर सीजी 07 सीरीज की छोटी गाड़ियों को दुर्ग बाईपास टोल प्लाजा पर

टोल फ्री करने के लिए लंबे समय से मुहिम छेड़े हुए थे। उसका नतीजा आ गया। दुर्ग बाईपास टोल प्लाजा की ओर से आखिरकार टोल फ्री संबंधी सूचना लगा दी गई है। टोल प्लाजा में निजी वाहन नान कमर्शियल सीजी 07 कार को राजनांदगांव की ओर जाते समय लेन 8 से जाने पर और राजनांदगांव से दुर्ग की ओर आने पर लेन 1 पर कर नहीं देना पड़ेगा।

लेकिन उपरोक्त लेन के अतिरिक्त किसी भी अन्य लेन का उपयोग करने पर नियम अनुसार देय टोल शुल्क का (फास्टैग के माध्यम से) भुगतान स्वत: संपन्न हो जाएगा। सीजी 07 वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल फ्री होने से बड़ी राहत मिली है। यह मांग एक लंबे अर्से से यहां के रहवासी वाहन चालक कर रहे थे।

27 जून को हुआ था टोल प्लाजा पर आंदोलन

27 जून को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में सीजी 07 वाहनों को टोल फ्री करने की मांग को लेकर टोल प्लाजा पर बड़ा आंदोलन हुआ था। टोल प्लाजा के रवैए से गुस्साए कुछ लोगों ने टोल प्लाजा में जमकर तोड़फोड़ भी की थी। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर व दुर्ग विधायक अरुण वोरा की उपस्थिति में टोल प्लाजा के संचालकों को बुलाकर एक बैठक ली थी। इसमें संचालकों ने कथित तौर पर टोल फ्री करने का आश्वासन दिया था। अब जाकर टोल फ्री किया गया।

संगठन का प्रतिनिधिमंडल जल्द पहल करेगा

महाविद्यालयीन खेलों में शामिल होगा फेंसिंग राज्यपाल, कुलपतियों को संघ भेजेगा प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राज्य के स्कूलों फेंसिंग यानी तलवारबाजी का खेल है, लेकिन महाविद्यालयीन खेलों में इसे अभी तक शामिल नहीं किया गया है। छत्तीसगढ़ के तलवारबाजी के खिलाड़ी दूसरे राज्यों से खेल रहे हैं। इसे देखते हुए अब तलवारबाजी के खेल को भी महाविद्यालयीन खेलों में शामिल करने की मांग की गई है। इसके लिए राज्यपाल और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से एसोसिएशन के सदस्य मुलाकात करेंगे। रविवार को एक होटल में फेंसिंग एसोसिएशन की हुई आमसभा में यह फैसला किया गया।

इससे राज्य की खेल प्रतिभाओं को पलायन करने से जहां रोकने में सहायता मिलेगी, वहीं राज्य के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभाओं को दिखाने का बेहतर मौका मिलेगा। संयुक्त सचिव निखिल जांबुलकर ने बताया कि बैठक में सबसे पहले सभी सदस्यों ने खेल को आगे बढ़ाने के संबंध में अपने विचार रखे। स्थानीय प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के साथ साथ उनकी खेल प्रतिभा को निखारने पर विचार विमर्श किया गया। पांच साल पहले गई थी तकनीकी विवि की टीम तलवारबाजी की टीम का गठन करीब पांच साल पहले तकनीकी विवि में किया गया था। टीम बाहर खेलने गई थी। इसी तरह गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय से भी फेंसिंग की टीम जा रही थी, लेकिन अभी बंद कर दिया गया है। इसके अलावा अन्य विश्वविद्यालयों ने फेंसिंग की स्पर्धा का आयोजन किया ही नहीं। इसकी वजह से छत्तीसगढ़ के फेंसिंग के खिलाड़ी हरियाणा जा रहे हैं या केरल।

कॉमनवेल्थ में जीतकर लौटी वेदिका केरल से खेल रही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप की फेंसिंग स्पर्धा में शहर की वेदिका खुशी रावना इन दिनों केरल से खेल रही है।

500 करोड़ से दुर्ग स्टेशन का होगा आधुनिकरण एयरपोर्ट के तर्ज पर स्मार्ट रेल्वे स्टेशन बनेगा : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रेल्वे स्टेशन को स्मार्ट स्टेशन की परिकल्पना हेतु आधुनीकरण के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण हेतु 500 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव बनाया गया है। जिसमें आवश्यकतानुसार कार्यो को विकसित किया जाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है।

जनता को यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने स्टेशन पहुंचे विधायक अरुण वोरा को स्टेशन मास्टर जे. प्रधान व कार्मिशियल इस्पेक्टर विद्या सागर ने बताया कि नई स्टेशन बिल्डिंग व सर्विस बिल्डिंग एवं मल्टी पार्किंग सर्वसुविधायुक्त पटरीपार के लिए टिकिट घर, लिफ्ट, स्टाम्प

क्राटर, वेटिंग रुम व बेहतर सूचना प्रणाली जैसी व्यवस्थाओं का निर्माण होगा साथ ही पुरानी सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। बुजुर्गो, महिलाओं व दिव्यांगजनो का विशेष ध्यान देते हुए कार्य होगें। स्थानीय व सांस्कृतिक कला से सुसज्जित व सौदर्यीकरण में विशेष फोकस किया जाएगा। वोरा ने कहा कि प्रस्ताव की स्वीकृति मिलने पर दुर्ग जिले की लगभग 10 लाख आबादी के लिए नई सुविधाओं की शुरुवात होने से हमारा दुर्ग जिला रेल्वे स्टेशन मेट्रो सिटीयों में बने एयरपोर्ट की तर्ज पर स्मार्ट रेल्वे स्टेशन होगा। जिससे आसपास के यात्रा करने वाले यात्रियों को सर्वसुविधा के साथ स्वच्छ व सुंदर रेल्वे स्टेशन मिलेगा।

पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की उपस्थिति में खुर्सीपार के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भाजपा प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रति सभी वर्गों में बढ़ते रुझान के बीच पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की उपस्थिति में खुर्सीपार के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रवेश किया। इन कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की राष्ट्रवादी, विकासवादी नीतियों से जुड़ने के लिए उत्साह दिखाया। श्री पाण्डेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा ही प्रेदश और भिलाई को कुशल,सक्षम और बेदाग नेतृत्व देकर आगे बढ़ा सकती है। कांग्रेस ने हर वर्ग को धोखा दिया है। भिलाई के युवा व महिलाएं कांग्रेस विधायक की धोखेबाजी से खफ़ा हैं और सभी को भाजपा पर भरोसा है।

आज खुर्सीपार बालाजी नगर के कांग्रेसियों ने भाजपा प्रवेश किया। प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने आज इन कार्यकर्ताओं को बीजेपी का

गमछा पहनाकर पार्टी में प्रवेश दिलाया है। इनमें महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं जिन्होंने भिलाई की वर्तमान स्थिति पर दुख जताते हुए कहा कि सट्टा और अवैध शराब की खुलेआम बिक्री की वजह से आज हर घर का माहौल खराब हो चुका है। प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि निश्चित ही जिस पार्टी ने हमेशा झूठ बोलकर लोगों को गुमराह किया हो, उस पर कोई विश्वास नहीं कर सकता। यह एहसास बालाजीनगर के इन साथियों ने भी कर लिया है इसलिए उन्होंने आज जनहित में समर्पित भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश कर यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनसेवा का प्रण लिया है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले साढ़े 4 वर्षों में भिलाई की जो दुर्गति की है, उससे क्षुब्ध होकर आमजनता सहित कार्यकर्ताओं का विश्वास उनसे उठने लगा है। निश्चित ही विधानसभा चुनाव एक बार फ़िर कमल खिलेगा और भिलाई फ़िर से दुरुत गति से विकास पथ पर गतिशील होगा।

इस दौरान इन कार्यकर्ताओं ने भिलाई विधायक को झूठा बताते हुए कहा कि इन्होंने केवल चुनाव जीतने के लिए बड़े-बड़े वादे किये लेकिन शहर के विकास के प्रति ये कोई सोच नहीं रखते। इन्होंने केवल हमारे लघु भारत भिलाई की छवि को धूमिल किया है। महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि भिलाई के हर छोटे बड़े मैदान आज शराब पीने का अड्डा बन चुके हैं और खुलेआम महिलाओं से छेड़छाड़ की घटना हो रही हैं। भिलाई के लोगों ने इस दुर्गति के लिए कांग्रेस विधायक को वोट नहीं दिया था। इस बार हम सभी मिलकर भाजपा को जिताएंगे और भिलाई में एक बार फ़िर से कमल खिलायेंगे। भाजपा प्रवेश करने वालों में मुख्य रूप से एम ममता, एम शुभम राव, एम श्रावणी, ए संगीता, शुभा दलाई, लीला, एम खुशी, संतोष वर्मा, रीता देवी, चंदना सरकार, रोहित सिंह, रूषि, उमेश, संजीव सिंह, अमित सिंह, प्रदीप, विकास, ए योगेश, एम ध्रुव आदि लोग उपस्थित थे।

प्रसव के तुरंत बाद नवजात को स्तनपान कराना जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई (भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित) में विश्व स्तनपान समारोह आयोजन किया गया। जेएलएनएच के अतिरिक्त सीएमओ और नियोनेटोलॉजी प्रमुख डॉ. सुबोध साहा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान कराने और 6 महीने तक सिर्फ स्तनपान ही कराने पर जोर दिया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अभिलेखा बिस्वाल के मार्गदर्शन में इस एक दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत उप प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. श्रीलता पिल्लई के स्वागत भाषण से हुई।

जेएलएनएच एंड आरसी अस्पताल की सलाहकार, नियोनेटोलॉजी विभाग डॉ. माला चौधरी ने बेबी फ्रेंडली अस्पताल पहल विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ.साहा, डॉ. माला और डॉ.

डेजी अब्राहम ने स्तनपान को सक्षम करना विषय पर लगाए गए पोस्टरों का अवलोकन भी किया। पोस्टर प्रदर्शनी में शाइना थॉमस ने पहला, मोनिका ने दूसरा और अनीशु आर अनिल और पुनीता ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। शिशु, मां और समाज को स्तनपान के लाभ पर नेहा सिंह ने बात रखी। डॉ अनु एस थॉमस, भगवती साहू, केसरलता साहू और रेशमा पटेल ने स्तनपान की समस्याओं पर स्किट के लिए मार्गदर्शन किया।

दुर्ग स्टेशन: पावर हाउस में टाउनशिप और दुर्ग में धमधा नाका की तरफ बनेगा मुख्य द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेलवे स्टेशन में धमधा रोड की ओर स्थित माल धक्का अब रसमड़ा जाएगा। यहीं पर स्टेशन के पीछे यानी धमधा नाका क्षेत्र में एक और मुख्यद्वार बनाया जाएगा। रेलवे स्टेशन तक बसें आ सकेंगी। पार्किंग में एक साथ 624 मोटर साइकिल, 246 कारें और 446 टैक्सियां पार्क हो सकेंगी। स्टेशन में दो और प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। इससे प्लेटफार्म की संख्या बढ़कर 8 हो जाएगी। नए प्लेटफार्म में राजनांदगांव और रायपुर दोनों दिशा से ट्रेनें आ और जा सकेंगी। इसी तरह पावर हाउस स्टेशन में टाउनशिप की ओर सेक्टर-1 में मुख्यद्वार बनाया जाएगा।

स्टेशन के दोनों तरफ एस्केलरेटर लगाए जाएंगे। दोनों स्टेशनों को आने वाले 50 साल में रेलवे स्टेशनों में संभावित यातायात को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए देश के 508 स्टेशनों के पुनर्निर्माण के शिलान्यास के दौरान दुर्ग और पावर हाउस रेलवे स्टेशनों के निर्माण कार्यों की आधार शिला रखी। स्टेशन के पीछे पार्सल ऑफिस और आरपीएफ थाने के पास स्थित कर्मचारी क्वार्टर को तोड़ा जाएगा। आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह, सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय, विधायक अरुण वोरा व अन्य शामिल हुए। सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रेरित करेगा : पांडेय पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि पावर हाउस स्टेशन विकसित होगा।

इसमें स्थानीय कला और संस्कृति का समावेश होगा, जो सांस्कृतिक विरासत और वास्तुकला का एक अनूठा रूप होगा। स्टेशन के दोनों तरफ से एंट्री और एक्जिट का प्रावधान, यात्री सुविधाएं होंगी। कान्कोर्स, छत आवरण, स्टेशन की छतों पर सोलर पैनल, रैन वाटर हार्वेस्टिंग होगा। करीब 26 करोड़ की लागत से काम होगा। इसके काम की शुरुआत भी हो गई है। यात्री सुविधा का विस्तार होगा।

आधुनिक यात्री सुविधाएं, यातायात परिसंचरण होगा। बघेल दुर्ग स्टेशन में हुए कार्यक्रम के मुख्यअतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि दुर्ग रेलवे स्टेशन को आधुनिक ढांचे के अनुसार नया रूप प्रदान किया जा रहा है। इस तरह स्टेशन एक नया इतिहास रचने जा रहा है। यहां यात्रियों को सारी सुविधाएं मिलेंगी। इसे यहां की कला और संस्कृति के हिसाब से ढाला जाएगा। इससे कामगारों और कारीगरों को रोजगार मिलेगा। हमारा दुर्ग स्टेशन आजादी के अमृत महोत्सव का प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम में महापौर धीरज बाकलीवाल, नीरज पाल, जागेश्वर साहू, रमशीला साहू, बीजेपी अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, बृजेश बिचपुरिया आदि मौजूद थे।

अंगदान के लिए प्रेरित किया दुर्ग कमिश्नर कावरे ने, सराहा प्रदर्शनी को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग की ओर से नेहरू आर्ट गैलरी सिविक सेंटर भिलाई में अंगदान पर आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी का रविवार को दुर्ग संभाग के आयुक्त महादेव कावरे साहब ने अवलोकन किया।

इस दौरान कमिश्नर कावरे ने समाज से अंगदान की अपील की और प्रदर्शनी का अवलोकन कर इस पहल की सराहना की। शुरुआत में कमिश्नर कावरे का स्वागत जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सीएमओ इंचार्ज डॉ एम. रविंद्रनाथन ने पुष्पगुच्छ देकर किया। वहीं श्रीमती मधु कावरे का स्वागत छत्तीसगढ़ी लोक गायिका रजनी रजक ने पुष्पगुच्छ देकर किया ।

कावरे दंपति ने यहां अंगदान पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा बच्चों के द्वारा बनाई पेंटिंग को सराहा। कमिश्नर कावरे ने अंग दान जागरूकता की मुहिम में बच्चों और बड़ों को और अधिक शामिल करने पर बल दिया। श्रीमती कावरे ने अंगदान पर जानकारी हासिल की और इस मुहिम को जन जन तक पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया।

सीएमओ इंचार्ज डॉ रवींद्रनाथ ने अंगदान मुहिम से जुड़ा स्मृति चिन्ह कमिश्नर कावरे को भेंट किया। कमिश्नर कावरे ने भिलाई स्टील प्लांट और जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की इस जन उपयोगी पहल की सराहना की। इस अवसर पर सभी अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित और सभी ने अंग दान करने का संकल्प लिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950